लखनऊ

शुक्रवार, 6 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 194

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"वक्त भले धीमा चले, लेकिन उसका फैसला हमेशा मजबूत और बिल्कुल सही होता है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

'इनके दामन पर कोई दाग नहीं' अमित शाह ने की नीतीश कुमारकी जमकर तारीफ, कहा- 'स्वर्णिम अध्याय' है उनका कार्यकाल

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार को बिहार में एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला, जब मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नीतीश कुमार के अलावा, उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन सहित अन्य एनडीए उम्मीदवारों ने भी उच्च सदन के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने दो दशकों से अधिक समय तक इस पद पर रहने के बाद राज्यसभा के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा की थी और मौजूदा चुनाव में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। 75 वर्षीय नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि नए मंत्रिमंडल को उनका पूरा समर्थन प्राप्त होगा।

नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा कि मैं नितिन नबीन, नीतीश कुमार, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और सुदेश राम के राज्यसभा नामांकन समारोह में शामिल होने पटना आया हूँ। नितिन नबीन ने राज्य में एक लंबे और सफल राजनीतिक करियर के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और अब राज्यसभा के माध्यम से संसद में भी अपना योगदान देंगे। आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इसके साथ ही, लंबे अंतराल के बाद वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे।

शाह ने कहा कि नीतीश कुमार 2005 से अब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनका कार्यकाल वास्तव में गौरवशाली रहा। यह कार्यकाल बिहार के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में लिखा जाएगा, जिसने बिहार के विकास के सभी पहलुओं को आकार दिया। विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने लंबे करियर में उनका कुर्ता कभी कलंकित नहीं हुआ। उनका पूरा जीवन भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों तक उन्होंने बिहार की प्रगति में हर तरह से महत्वपूर्ण योगदान दिया, और उन्हीं के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी की सभी पहलें बिहार की जनता तक पहुंचीं।

उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में दिल्ली लौट रहे हैं। मैं और हमारे सभी एनडीए सहयोगी उनका हार्दिक स्वागत करते हैं, और मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल बिहार की जनता द्वारा हमेशा याद रखा जाएगा और सम्मान दिया जाएगा। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को पटना पहुंचे और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। यह घटनाक्रम नीतीश कुमार द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में 20 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद राज्यसभा में जाने की घोषणा के बाद सामने आया है।

नीतीश ने राज्यसभा के लिए दाखिल किया नामांकन, अमित शाह समेत ये दिग्गज रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के उम्मीदवार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, नितिन नवीन, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और शिवेश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा जदयू के वरिष्ठ नेता नामांकन कार्यक्रम में शमिल हुए। इसके बाद सभी नेता विधानसभा से निकल गए। वहीं गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करने के लिए स्टेट गेस्ट हाउस पहुंचे चुके हैं। इससे पहले बिहार पहुंचे केंद्रीय मंत्री अमित शाह का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शॉल और पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान कुछ देर तक दोनों दिग्गज नेताओं के बीच बातचीत हुई। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ विधानसभा पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता पहले ही विधानसभा भी पहुंचे थे।

संक्षेप

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट में 19 मजदूरों की मौत, 2 MD और 8 अन्य के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर के राउलगांव में रविवार सुबह एक विस्फोटक कारखाने में इतना भीषण धमाका हुआ कि 19 मजदूरों की जान चली गई और 24 घायल हो गए। आग की लपटें पूरी इमारत को घेर ले गईं, चारों तरफ धुआं और तबाही का मंजर था। यह हादसा एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की फैक्ट्री में हुआ, जहां डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में विस्फोट हुआ। ज्यादातर मारे गए और घायल मजदूर महिलाएं थीं। पुलिस ने अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है और फैक्ट्री को सील कर जांच शुरू कर दी है। नागपुर ग्रामीण पुलिस ने 10 फरार आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है। इनमें कंपनी के दो मैनेजिंग डायरेक्टर भी शामिल हैं। ये नोटिस उन्हें देश छोड़कर भागने से रोकेंगे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये कदम इसलिए उठाया गया है ताकि जांच में कोई रुकावट न आए। पांच जांच टीमों का गठन किया गया है। इनमें से तीन टीमें एसडीपीओ संतोष गायकवाड़ के नेतृत्व में काम कर रही हैं। एक टीम छत्तीसगढ़ गई है जहां क्रॉस-बॉर्डर लीड्स की जांच हो रही है। दूसरी टीम महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। सभी को छह दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत दर्ज किया गया है, जो गैर-इरादतन हत्या से जुड़ी है। पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन (पीईएसओ) और डायरेक्टोरेट ऑफ इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ (डीआईएसएच) ने फैक्ट्री की जांच शुरू की है। दोनों ने फैक्ट्री के ऑपरेशन पर रोक लगा दी है। फोरेंसिक टीम ब्लास्ट के अवशेष, केमिकल ट्रेस, स्टोरेज में गड़बड़ी, वायरिंग और अन्य सबूतों की जांच कर रही है ताकि धमाके का सही कारण पता चल सके।

'सिर्फ व्हाट्सएप चैट के आधार पर तलाक का आदेश नहीं दे सकते', बॉम्बे हाई कोर्ट ने पलटा निचली अदालत का फैसला

नई दिल्ली। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक ऐसे फैसले को पलट दिया है। इस फैसले में सिर्फ व्हाट्सएप चैट्स के आधार पर पति को उसकी पत्नी से क्रूरता का हवाला देकर तलाक मिल गया था। कोर्ट ने साफ कहा कि महज मैसेज दिखाकर तलाक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि ठोस सबूत पेश न किए जाएं और दूसरी पार्टी को अपना पक्ष रखने का मौका न मिले। यह फैसला 27 फरवरी को जस्टिस भारती डांगरे और जस्टिस मंजुषा देशपांडे की बेंच ने दिया। कोर्ट ने नासिक फैमिली कोर्ट के मई 2025 के आदेश को पूरी तरह रद कर दिया और मामले को वापस उसी कोर्ट में भेज दिया है, जहां अब दोनों पक्षों को सबूत पेश करने और बहस करने का पूरा मौका मिलेगा। यह मामला हिंदू मैरिज एक्ट की धारा 13(1)(ia) के तहत क्रूरता के आधार पर तलाक से जुड़ा है। पति ने दावा किया था कि पत्नी ने उसे और उसके परिवार को मानसिक रूप से परेशान किया। फैमिली कोर्ट ने पति की बात को सही माना और तलाक दे दिया, लेकिन हाई कोर्ट ने इसे गलत ठहराया।

'हर मुद्दे का हल सिर्फ आर्मी नहीं...'

अमेरिका-ईरान युद्ध पर पीएम मोदी की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान अमेरिका जंग के बीच दुनिया को संदेश दिया है। उन्होंने कहा, 'किसी भी मसले का हल सिर्फ सेना नहीं कर सकती है।' पीएम मोदी ने ये बयान रूस- यूक्रेन और ईरान-अमेरिका और इजरायल के बीच हो रही जंग को लेकर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नियम-कानून, संवाद और कूटनीति ही किसी भी संघर्ष को सुलझाने का सही रास्ता है। यह बात उन्होंने गुरुवार को दिल्ली में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही है। पीएम मोदी ने वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया को अब पुरानी वैश्विक संस्थाओं में सुधार की सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा, 'वैश्विक संस्थाओं का सुधार न सिर्फ जरूरी है, बल्कि बहुत जल्दी करना होगा। साथ ही, हर रूप में आतंकवाद को जड़ से खत्म करना हमारी साझा प्रतिबद्धता है।' इस दौरान उन्होंने यूरोपीय संघ के साथ जनवरी में हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि अस्थिरता के इस दौर में भारत और यूरोप के रिश्ते स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहे हैं। दोनों महाशक्तियां वैश्विक स्थिरता, विकास और समृद्धि को नई ताकत दे रही हैं। प्रधानमंत्री ने फिनलैंड के साथ रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर जोर दिया। दोनों देशों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जो द्विपक्षीय रिश्तों को नई ऊंचाई देंगे। मोदी ने स्पष्ट किया कि शांति और संवाद ही आगे का रास्ता है, सैन्य रास्ता नहीं।

खरगे का सरकार पर वार, बोले– पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं।

उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है? उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा?

बिहार में 'लीडरशिप कप', नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने पर जयराम रमेश बोले– यह जनादेश से धोखा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को आरोप लगाया कि बिहार में नेतृत्व तख्तापलट हुआ है, जो जनता के जनादेश का धोखा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की पुष्टि की है। X पर एक पोस्ट में जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस बिहार चुनाव प्रचार के दौरान जो बार-बार कह रही थी, वह अब सच हो गया है। जी2 द्वारा रची गई साजिश के तहत नेतृत्व तख्तापलट और सत्ता परिवर्तन हुआ है।

नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने की पुष्टि की है और मौजूदा चुनाव चक्र में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। 75 वर्षीय नीतीश कुमार ने आगे कहा कि नए मंत्रिमंडल को उनका पूरा समर्थन होगा। नीतीश कुमार ने X पर पोस्ट किया कि इस बार हो रहे चुनावों में मैं राज्यसभा का सदस्य बनना चाहता हूं। मैं आपको पूरी ईमानदारी से आश्वस्त करना चाहता हूं कि भविष्य में भी आपके साथ मेरा संबंध बना रहेगा और विकसित बिहार के निर्माण के लिए आपके साथ मिलकर काम करने का मेरा संकल्प अटल रहेगा। बनने वाली नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा।

यह घटना नीतीश कुमार की 2025 में पांचवीं जीत के बाद घटी है, जब एनडीए ने राज्य में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया और दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वे बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति हैं। कुमार का राजनीतिक जीवन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने जनता दल के सदस्य के रूप में राजनीति में प्रवेश किया और 1985 में विधायक बने। इसके बाद कुमार और जॉर्ज फर्नांडीस ने 1994 में समता पार्टी का गठन किया। 1996 में वे लोकसभा के लिए चुने गए और वाजपेयी सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया। 2005 में एनडीए ने बिहार विधानसभा में बहुमत हासिल किया। 2010 के राज्य चुनावों में, सत्तारूढ़ गठबंधन ने भारी बहुमत से सत्ता संभाली। जून 2013 में, कुमार ने भाजपा से अलग होकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार बनाई। 2014 में, उनकी जगह जीतन राम मांझी ने ली, लेकिन 2015 में वे फिर से मुख्यमंत्री बने और उसी वर्ष महागठबंधन को जीत दिलाई। 2017 में, कुमार ने आरजेडी से नाता तोड़कर एनडीए में वापसी की और 2020 के राज्य चुनावों में भाजपा के साथ एक और गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया।

'बीजेपी बिहार में महाराष्ट्र मॉडल कर रही लागू'

नीतीश के ऐलान पर भड़के तेजस्वी यादव, साधा निशाना

पटना, एजेंसी। बिहार में नीतीश कुमार के सीएम की कुर्सी छोड़ने के ऐलान के बाद सियासी पारा हाई हो गया है। नीतीश के राज्यसभा जाने के फैसले को लेकर तेजस्वी यादव भड़क गए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी बिहार में महाराष्ट्र मॉडल लागू कर रही है। तेजस्वी ने एक्स पोस्ट के जरिए बीजेपी पर निशाना साधा है।

बिहार विधानसभा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने पहले ही कहा था नीतीश अब सीएम नहीं रहेंगे। भाजपा रबर स्टैंप वाला सीएम बनाती है। जो हो रहा है वह हमें पहले से पता था। हम वहां रहते तो यह दिन देखने को नहीं मिलता। नीतीश कुमार के प्रति मेरी पूरी सहानुभूति है। तेजस्वी ने यह भी कहा कि अब बीजेपी जदयू को खत्म कर देगी। पिछड़े नेताओं को भाजपा टिकने नहीं देगी।

बीजेपी ने नीतीश कुमार को किया हाईजैक

तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार ने कहा है कि वो राज्यसभा सदन जाना चाहते हैं। हम शुरुआत से इस बात को कहते रहे हैं कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को बीजेपी के लोग मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देंगे। आज वो बात सच हुई है। तेजस्वी ने कहा कि जन आकांक्षाएं इस सत्ता परिवर्तन के खिलाफ हैं। जब 2024 में नीतीश कुमार हमें छोड़कर गए थे। उस समय भी हमने यह कहा था कि बीजेपी जदयू पार्टी को खत्म कर देगी। बीजेपी ने पूरी तरीके से नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है।

जेडीयू अब नहीं बचेगी, नीतीश कुमार के साथ सहानुभूति

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव में जिस तरह से उनकी जीत हुई है। धनतंत्र की मशीनतंत्र की जीत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेडीयू अब नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि हमने चुनाव के दौरा भी ये आरोप लगाया था कि अब जेडीयू नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी सहानुभूति नीतीश कुमार के साथ है। अगर नीतीश उनके साथ होते तो उन्हें ये दिन नहीं देखना पड़ता।

पश्चिम एशिया संकट : 'जंग हमारे घर तक आ गई', राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला, पूछा– अब तक चुप क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिर हमला बोला है। मामला हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत के डूबने से जुड़ा है। आरोप है कि श्रीलंका के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी ने इस जहाज को डुबो दिया। राहुल गांधी ने इस घटना पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है। राहुल ने कहा कि ऐसे समय में देश को एक स्थिर नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने आगे लिखा, 'यह संघर्ष हमारे घर तक आ गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा है। इसके बजाय, भारत के पास एक समझौता करने वाले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने हमारी रणनीतिक स्वायत्तता को छोड़ दिया है।' यह ईरानी युद्धपोत आइरिस देना विशाखापत्तनम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 (आइएफआर) और मिलान 2026 में हिस्सा लेने के बाद वापस लौट रहा था। भारत ने इस जहाज को इन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। राहुल गांधी ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण भारत की तेल आपूर्ति पर मंडरा रहे खतरे को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए तो स्थिति और भी खराब है।'

पूर्व विदेश सचिव ने कहा- अमेरिका ने भारत की अनदेखी की

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कहा कि 'आइरिस देना' ने भारत के बुलावे पर ही इन नौसैनिक अभ्यासों में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमले ने भारत की संवेदनशीलता को नजरअंदाज किया है। सिब्बल के मुताबिक, जहाज निहत्था था क्योंकि ऐसे अभ्यासों में जहाज गोला-बारूद लेकर नहीं चल सकते। सिब्बल ने कहा कि यह हमला सुनियोजित था, क्योंकि अमेरिका को इस अभ्यास में ईरानी जहाज की मौजूदगी की जानकारी थी। अमेरिका को भी इस अभ्यास में बुलाया गया था, लेकिन उसने आखिरी समय में अपना नाम वापस ले लिया था, शायद इसी ऑपरेशन की वजह से। उन्होंने कहा कि भारत की नैतिक जिम्मेदारी बनती है क्योंकि वे हमारे मेहमान थे।

ईरान ने दी अमेरिका को चेतावनी

इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका को अपनी इस कार्रवाई पर पछताना पड़ेगा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमेरिका ने ईरान के तट से 2,000 मील दूर समुद्र में एक घिनौना अपराध किया है। भारतीय नौसेना के मेहमान, फ्रिगेट देना पर बिना किसी चेतावनी के हमला किया गया।' अराघची का यह बयान अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के उस बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी जहाज को डुबोने की पुष्टि की थी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिका को इस घटना पर गहरा पछतावा होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरानी जहाज पर करीब 180 लोग सवार थे। श्रीलंका की नौसेना ने जानकारी दी है कि उसने 87 शव बरामद किए हैं और 32 लोगों को बचाया है।

पश्चिम बंगाल मतदाता सूची में SIR का खेला : टीएमसी के गढ़ में सेंध, पार्टी की रणनीति में बदलाव की जरूरत

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में चलाए गए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) अभियान ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चुनावी समीकरणों को हिलाकर रख दिया है। इस अभियान का सबसे गहरा असर उन मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों और खासकर दो प्रमुख जिलों- उत्तर और दक्षिण 24 परगना पर पड़ा है, जो टीएमसी के पारंपरिक गढ़ माने जाते हैं। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी अब अधिक मतदान, बंगाली अस्मिता और महिला व अल्पसंख्यक मतदाताओं के एकजुट होने पर भरोसा कर रही है, ताकि इस प्रभाव को कम किया जा सके। यह मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान विशेष रूप से उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों में सबसे अधिक प्रभावी रहा है। ये छह जिले मिलकर 100 से अधिक विधानसभा सीटों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनमें से अकेले दो 24 परगना जिलों में 64 सीटें हैं। इन क्षेत्रों को पश्चिम बंगाल में किसी भी विजयी गठबंधन की रीढ़ माना जाता है। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के परिणामस्वरूप कुल 63.66 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए, जो कुल मतदाताओं का लगभग 8.3 प्रतिशत है। इसके कारण मतदाता आधार 7.66 करोड़ से घटकर लगभग 7.04 करोड़ रह गया है। इसके अतिरिक्त, 60.06 लाख मतदाता अभी भी अपनी कागजात की जांच की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कुल मिलाकर एसआईआर के बाद की सूची दर्शाती है कि लगभग 1.23 करोड़ मतदाता यानी लगभग हर छठा मतदाता या तो सूची से हटा दिया गया है या जांच के अधीन है।

कनपटी से सटाकर मारी गोली, तमंचा लिए सीधा थाने पहुंचा भतीजा, बोला-रोज झगड़ती थी, मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ जिले के हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के गांव गणेशपुर में पारिवारिक विवाद के चलते एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक भतीजे ने अपनी सगी चाची को तमंचे से गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 9:30 बजे घर के सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान आरोपी शिवा अचानक कमरे में पहुंचा और अपनी चाची पूजा त्यागी (32) की कनपटी पर तमंचा सटाकर गोली मार दी। गोली लगने से पूजा गंभीर रूप से घायल होकर फर्श पर गिर गईं और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई।

गोली की आवाज सुनकर पहुंचे परिजन

गोली चलने की आवाज सुनकर मृतका के पति धर्मेंद्र त्यागी बेडरूम में पहुंचे तो पत्नी लहूलुहान हालत में पड़ी थीं। वहीं आरोपी शिवा हाथ में तमंचा लेकर मौके से भागता हुआ दिखाई दिया। परिजनों ने पूजा को संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।

वारदात के बाद आरोपी ने किया सरेंडर

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी सीधे मवाना थाने पहुंचा और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

आए दिन होता था झगड़ा

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी चाची से अक्सर कहासुनी और झगड़ा होता रहता था। करीब आठ महीने पहले उसकी मां की मौत हो गई थी, जिसके बाद वह मानसिक रूप से परेशान रहता था। इसी गुस्से में उसने यह कदम उठा लिया।

पुलिस ने तमंचा किया बरामद

मवाना थाने में सरेंडर करने के बाद पुलिस ने आरोपी के पास से एक तमंचा और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी के पास अवैध हथियार कहां से आया।

चार साल पहले हुई थी शादी

बताया गया कि मोदीनगर निवासी पूजा त्यागी की शादी चार वर्ष पहले धर्मेंद्र त्यागी से हुई थी। उनका एक छह माह का बेटा भी है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

आरोपी बारहवीं का छात्र, पिता सेना में

ग्रामीणों के अनुसार आरोपी शिवा बारहवीं का छात्र है। उसके पिता देवेंद्र सेना में तैनात हैं और दो दिन पहले ही छुट्टी बिताकर वापस ड्यूटी पर गए थे। परिवार में इस घटना के बाद शोक और दहशत का माहौल है।

जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलने पर हस्तिनापुर थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सीओ पंकज लवानिया ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

जौनपुर में होली पर इमामबाड़े का ताला तोड़कर घुसे उपद्रवी, तोड़फोड़ की, भारी पुलिस बल तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के भंडारी रेलवे स्टेशन के पीछे क़दम रसूल छोटी लाइन इमामबाड़ा में बुधवार रात कुछ अराजक तत्वों ने इमामबाड़ा का ताला तोड़कर अंदर पहुँच कर तोड़फोड़ की। जानकारी होते ही मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंच गई।

एएसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह में कहा कि मामले की जांच की जा रही है और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रात में इमामबाड़े पर सुनसान जगह देखते हुए कुछ अराजक तत्व पीछे के गेट का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और वहां रखे सामान के साथ-साथ इमामबाड़ा में तोड़फोड़ की। पंजतनी कमेटी के अध्यक्ष शाहिद मेंहदी ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि यह अराजकता है। इस मामले में दोषियों को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संभल में हैरान करने वाली घटना : होलिका दहन की आग में कूदा ग्रामीण, पहले जोड़े थे हाथ, बमुश्किल बाहर निकाला

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। जुनावई ब्लॉक क्षेत्र के नदरोली गांव में होलिका दहन के दौरान चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सिंहपुर गांव निवासी वीरपाल अचानक जलती हुई होलिका की लपटों के बीच कूद गया। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया।

ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। यह घटना बुधवार की है। जब नदरोली गांव के लोग होलिका दहन के बाद आग की लपटों पर गन्ना और जौ की बालियों को भून रहे थे। वीरपाल अपने ससुर और साले के साथ होलिका दहन में शामिल होने आए थे।

जब उसके परिजन जौ भून रहे थे तभी वीरपाल खड़े होकर देख रहा था। अचानक उसने हाथ जोड़े और जलती हुई होलिका पर चढ़कर आग

की लपटों के बीच खड़ा हो गया। यह देखकर मौके पर मौजूद लोग दंग रह गए और बचाव के लिए चिल्लाने लगे। गांव के नीरेश कुमार ने तुरंत साहस का परिचय देते हुए आग की लपटों के बीच पहुंचकर वीरपाल को खींचकर बाहर निकाला। आग से बाहर आते ही वीरपाल जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने पीछा कर वीरपाल को पकड़ा।

उसके जले हुए कपड़े हटाए और उसे गांव वापस लाए। उसे तत्काल गुन्नौर के एक निजी चिकित्सक के पास उपचार के लिए ले जाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

बचावकर्मी भी झुलसा

वीरपाल को आग से बचाने वाले नीरेश कुमार भी इस घटना में झुलस गए हैं। आग की लपटों के बीच जाने के कारण उनके हाथ जल गए। नीरेश कुमार का भी उपचार चल रहा है।

घटना का कारण नहीं चला पता

वीरपाल के अचानक होलिका की आग में कूदने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। ग्रामीणों और परिजनों ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है

कानपुर में होली पर हुड़दंग, 119 से अधिक घायल अस्पताल में भर्ती

कानपुर। होली में हुड़दंग करने वाले 119 से ज्यादा मरीज एलएलआर अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती हुए। आंख में केमिकल युक्त रंग जाने से करीब 13 नेत्र रोग कार्नियल इंजरी के साथ इमरजेंसी में भर्ती हुए। वहीं, बिना हेलमेट बाइक चलाने वाले 27 घायल सिर में चोट के साथ न्यूरो सर्जरी विभाग और हड्डी की टूट-फूट वाले 13 मरीज आर्थो विभाग में भर्ती हुए। उर्सुला अस्पताल की इमरजेंसी में 22 और कांशीराम चिकित्सालय में 17 घायल भर्ती हुए।

एलएलआर अस्पताल के सीएमएस डा. विकास कटियार ने बताया कि इमरजेंसी में पहले से की गई तैयारियों के चलते पहुंचे मरीज और घायलों का इलाज प्राथमिकता पर हुआ। चार मार्च को मेडिसिन विभाग में 29, बाल रोग में सात, आर्थो विभाग में आठ, चेस्ट चिकित्सालय में छह, गायनी में पांच, न्यूरोलाजी में पांच, न्यूरो सर्जरी में 22 और सर्जरी विभाग में पांच मरीज भर्ती हुए।

राधा स्काई गार्डन सोसाइटी में होली के दिन गार्ड्स और निवासियों में मारपीट

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत श्री राधा स्काई गार्डन सोसाइटी में होली के दिन सुरक्षा गार्ड्स और सोसायटी के निवासियों के बीच मारपीट की घटना सामने आई। आरोप है कि सुरक्षा गार्ड्स ने लाठी-डंडों से कुछ निवासियों की पिटाई कर दी। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। वीडियो में भी साफतौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह से गार्ड सोसायटी के निवासियों को लाठी-डंडों से पीट रहे हैं। इस घटना से सोसाइटी में अफरातफरी मच गई।

होली के जश्न के दौरान शुरू हुआ विवाद

बताया जा रहा कि होली के अवसर पर सोसाइटी के कुछ निवासी अपने परिवार और बच्चों के साथ ओपन एरिया में रंग खेलते हुए डांस कर रहे थे और त्योहार का जश्न मना रहे थे। इसी दौरान वहां तैनात कुछ सुरक्षा गार्ड पहुंचे और लोगों को रोकने लगे। निवासियों का आरोप है कि गार्ड्स ने डांस और जश्न मनाने पर आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। सोसाइटी के निवासियों के अनुसार, बहस कुछ ही देर में तीखी नोक-झोंक में बदल गई। इसी दौरान तीन से चार सुरक्षा गार्ड्स ने एक निवासी के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी।

आरोप है कि गार्ड्स ने लाठी-डंडों से उस व्यक्ति की पिटाई कर दी। अचानक हुई मारपीट से वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। कई लोग बीच-बचाव के लिए मौके पर पहुंच गए। मारपीट के दौरान फ्लैट के किसी निवासी ने इसका वीडियो रिकॉर्ड किया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद सोसाइटी के निवासियों ने नाराजगी जाहिर की और सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए।

पुलिस ने लिया मामले का संज्ञान

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इसका संज्ञान लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो और दोनों पक्षों के बयान के आधार पर जांच की जा रही। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल यह विवाद किस वजह से हुआ, इसका पूरी तरीके से पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि ओपन एरिया में डांस और होली खेलने को लेकर गार्डों ने मना किया था। इसी बात को लेकर सोसायटी के निवासियों और गार्डों के बीच बहस हुई थी।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में अगले सत्र से एमफार्म की पढ़ाई शुरू, पीसीआइ ने दी मंजूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2026-27 से एमफार्म (मास्टर ऑफ फार्मेसी) के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया (पीसीआइ) ने एमफार्म के दो कोर्स के संचालन को लेकर गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इनके संचालन से औषधीय अनुसंधान, दवा निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण व फार्मास्यूटिकल उद्योग से जुड़ी संभावनाओं को गति मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, एमफार्म के दो कोर्स फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री एवं फार्मास्यूटिक्स के संचालन के लिए पीसीआइ के समक्ष आवेदन किया गया था। पीसीआइ ने दोनों कोर्स के संचालन की स्वीकृति दे दी है। इन दोनों ही पाठ्यक्रमों में नए सत्र से 15-15 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।यानी अगले ही सत्र से एमफार्म की पढ़ाई विश्वविद्यालय में शुरू हो जाएगी। परिषद ने नियमानुसार शिक्षण, गैर शिक्षण एवं तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति व एईबीएएस पोर्टल पर आवश्यक विवरण अद्यतन करने के निर्देश भी दिए हैं। विश्वविद्यालय में दो वर्ष पहले डीफार्म और बीफार्म में 60-60 सीटों पर प्रवेश को मंजूरी मिली थी। पहले वर्ष बीफार्म की सीटें 100 किए जाने की स्वीकृति पीसीआई ने दी थी। सत्र 2025-26 से फार्मेसी में पीएचडी की भी शुरुआत हो गई है। अब एमफार्म के संचालन की स्वीकृति मिल जाने से यहां फार्मेसी से संबंधित सभी पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू हो जाएगा। पीएचडी की शुरुआत के लिए एमफार्म का पाठ्यक्रम बहुत जरूरी था। अब तक पूर्वांचल के छात्रों को एमफार्म या फार्मेसी में पीएचडी के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता था।

ली के दिन पत्नी की हत्या की, बच्चा न पैदा होने पर ली जान ; फिर पति ने खुद को भी मार लिया चाकू

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र की काशीराम कॉलोनी के जंगलों में होली के दिन एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक युवक ने संतान न होने की वजह से अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। फिर खुद को भी चाकू मार लिया। इसी बीच किसी ने उसे घायल अवस्था में पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्तपाल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जहां युवक घायल अवस्था में मिला था, उसी से मजह 15 मीटर की दूरी पर उसकी पत्नी का शव मिला।

मझोला थाना पुलिस ने मृतकों की पहचान नवीन नगर (सिविल लाइंस) निवासी विनोद और उसकी पत्नी के रूप में की। घटना को लेकर परिजनों ने पुलिस को बताया कि दोनों दोपहर में होली मिलने की बात

कहकर घर से निकले थे, लेकिन रास्ते में ही इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में यह मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा नजर आ रहा। घटनास्थल से एक बाइक भी बरामद की गई।

संतान न होने की वजह से पत्नी को मारा

वहीं मृतका की मौसी शीला ने बताया कि शादी के आठ साल बीत के बाद भी संतान न होने के कारण विनोद अक्सर उसकी भांजी के साथ मारपीट करता था। विनोद दूसरी शादी करना चाह रहा था। इसके लिए वह बिहार भी गया था। विनोद के भाई राजकुमार ने बताया कि घर में कोई विवाद नहीं था। विनोद होली मिलने की बात कहकर घर से निकला था। वह दोनों बच्चा गोद लेने की तैयारी कर रहे थे। दोनों के जीवन में सबकुछ सामान्य था।

SP सिटी ने दी घटना की जानकारी

फिलहाल मृतक महिला के भाई ने मझोला थाने में शिकायत दी है, जिसमें आरोप लगाया कि मृतका की हत्या उसके पति के द्वारा की गई। SP सिटी रणविजय सिंह ने बताया कि SHO मझोला को काशीराम कॉलोनी के पास एक घायल युवक और कुछ दूरी पर उसकी पत्नी का शव मिला था। जांच करने पर पता चला कि विनोद ने पहले अपनी पत्नी की गर्दन पर वार कर हत्या की, फिर खुद को भी चाकू मार लिया। दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में जांच-पड़ताल जारी है।

'होली के दिन ऑटो मत चलाओ'... पति ने नहीं मानी बात, पत्नी ने कुएं में लगा दी छलांग ; मां को बचाने बेटी भी कूदी

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। इटावा जिले के बकेवर थाना क्षेत्र में होली के दिन एक दर्दनाक घटना सामने आई। एक महिला ने त्योहार के दिन पति से ऑटो न चलाने को कहा, लेकिन उसने पत्नी की बात को अनसुना कर दिया। इससे नाराज पत्नी ने घर के पास बने कुएं में छलांग लगा दी। मां को कुएं में गिरता देख 18 साल की बेटी भी पीछे से कुएं में कूद गई। ग्रामीणों ने मां को तो बचा लिया, लेकिन बेटी को निकालने के लिए घंटों तक रेस्क्यू अभियान चलता रहा, लेकिन सफतला नहीं मिल पाई।

बता दें कि यह घटना बुधवार शाम लालपुरा गांव में हुई। मोहिनी पुत्री पवन कुमार दोहरे ने बताया कि त्योहार के दिन उनके घर पर बुआ नीलम आई हुई थीं। कुछ देर बाद वह अपने बेटे के साथ वापस चली गईं। उस समय परिवार के लोग ताऊ अखिलेश के घर पर थे, तभी उनके पिता पवन कुमार ऑटो चलाने के लिए घर से निकलने लगे।

होली के दिन सवारियां ढोने को लेकर मां रेखा देवी ने उन्हें मना किया, लेकिन पिता के न मानने पर मां रेखा देवी गुस्से में घर लौटीं और पास ही बने कुएं में कूद गईं। मां को अचानक कुएं में गिरता देख बड़ी बहन भूमि ने भी बिना देर किए पीछे से छलांग लगा दी। देखते ही देखते खुशियों का त्योहार मातम में बदल गया।

ग्रामीणों ने दिखाई हिम्मत, पुलिस ने संभाली कमान

वहीं मां-बेटी को कुएं में गिरता देख आसपास के लोग शोर मचाते हुए मौके पर पहुंचे। गांव के करन सिंह ने जान की परवाह किए बिना कुएं में उतरकर रेखा देवी को तो बाहर निकाल लिया, लेकिन भूमि काफी गहराई में चली गई थी, जिससे उसका पता नहीं चल सका।

ग्रामीणों ने तुरंत बकेवर थाने को सूचना दी। थानाध्यक्ष विपिन मलिक और महेवा चौकी इंचार्ज रजनीश तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया गया और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। कुएं के अंदर रस्सियों और अन्य साधनों की मदद से भूमि को तलाशने का प्रयास किया जाता रहा।

महिला का इलाज जारी, गांव में छाया सन्नाटा

रेखा देवी को गंभीर हालत में महेवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा। डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। भूमि पांच बहनों में सबसे बड़ी है। परिवार में मोहिनी (17), फ्रूटी (14), रावी (11), वैष्णवी (6) और एक छोटा भाई आर्यन (5) हैं। घटना के बाद गांव में भारी भीड़ जमा रही। महिलाएं और बच्चे रोते बिलखते रहे। मौके पर उपनिरीक्षक विनीत तिवारी, दयाशंकर, अंकित पटेल समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। सूचना पर सीओ भर्थना रामदबन सिंह भी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कार्य की निगरानी करते रहे। होली के दिन हुई इस घटना से पूरे गांव में मातम पसर गया।

दिल्ली की अर्चिता या तुर्कमेनिस्तान की मुहब्बत...? मेरठ में हुई महिला की हत्या के मामले में नया ट्विस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के मवाना थाना इलाके में 21 फरवरी की रात मेरठ-बिजनौर नेशनल हाईवे पर सड़क किनारे एक खेत में मिले महिला के शव की गुत्थी और उलझती जा रही है। शव मिलने के बाद पुलिस ने बड़ी मुश्किल से शव की पहचान दिल्ली में रहने वाली अर्चिता के रूप में की। हालांकि, अब खबर आई है कि अर्चिता की यह पहचान नकली है, बल्कि वह तुर्कमेनिस्तान की रहने वाली मुहब्बत है। आशंका है कि मुहब्बत किसी रैकेट का हिस्सा हो सकती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बता दें कि मेरठ के मवाना में मेरठ-बिजनौर हाईवे पर एक सरसों के खेत में बीते 21 फरवरी की रात एक युवती का शव मिला था। महिला का शव बुरी तरह सड़ चुका था और

दुर्गंध उठ रही थी। चेहरे पर तेजाब डालकर उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया गया था।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, लेकिन चेहरा तेजाब से जला होने के कारण उस समय पहचान नहीं हो सकी। ऐसे में पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर केस दर्ज कर जांच शुरू की। 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए।

कैसे हुआ शक?

जांच के दौरान एक कैमरे में एक सफेद रंग की क्रेटा कार पर शक हुआ। पुलिस ने इस कार की डिटेल निकलवाई तो पता चला कि कार मालिक होटल संचालक चंचल उर्फ बंटी है। पुलिस ने बंटी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उससे पता चला कि लाश दिल्ली में रहने वाली अर्चिता अरोड़ा की थी।

अर्चिता अरोड़ा की बंटी और उसके साथियों ने 17-18 फरवरी की रात परतापुर थाना क्षेत्र में एक होटल के कमरे में गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने बंटी उर्फ चंचल कुमार सहित चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर महज पांच दिनों के भीतर इस ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा कर दिया और हत्या में इस्तेमाल की गई कार, कंबल और तेजाब की बोतल भी बरामद की गई।

क्या बोला मुख्य आरोपी?

मुख्य आरोपी बंटी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि अर्चिता के साथ पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। अर्चिता उन्हें ब्लैकमेल कर रही थी। इसी विवाद में उन्होंने मिलकर कंबल से गला घोंटकर हत्या कर दी और इसके बाद युवती की पहचान मिटाने के लिए चेहरे पर टॉयलेट क्लीनर और तेजाब डाल दिया। इसके बाद क्रेटा कार में शव रखकर मवाना-बिजनौर रोड पर सरसों के खेत में फेंक दिया।

वारदात के वक्त होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज भी डिलीट कर दिया गया था। लेकिन इस मामले में नया ट्विस्ट तब आया जब जांच में मृतका का संबंध तुर्कमेनिस्तान से होने की बात सामने आई। साथ ही यह भी पता चला कि महिला का असली नाम मुहब्बत है। दावा किया जा रहा है कि महिला कई सालों से दिल्ली में रह रही थी और उसका नाम किसी विदेशी कनेक्शन से जुड़ा था। उसका होटल में लगातार आना-जाना लगा हुआ था।

अर्चिता अरोड़ा नाम फर्जी

बताया जा रहा है कि मृतका का अर्चिता अरोड़ा नाम फर्जी था, जबकि असल में वह तुर्कमेनिस्तान की रहने वाली मुहब्बत थी। मृतका की मां नाहमदिनोवा गुलनार ने भारत में रह रही अपनी दोस्त अजीजा की मदद से तुर्कमेनिस्तान एम्बेसी को एक पत्र लिखकर इस मामले से अवगत कराया है। इसमें बताया गया कि मुहब्बत कई वर्षों से दिल्ली में रह रही थी और अक्सर मेरठ के इस होटल में आकर ठहरती थी।

आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि मुहब्बत का पासपोर्ट दलालों ने जब्त कर लिया था। मृतका के आधार कार्ड पर नाम अर्चिता लिखा था, जबकि उस पर लगी फोटो विदेशी महिला की थी। यही फोटो पासपोर्ट पर भी लगी थी, जिसमें नाम मुहब्बत लिखा हुआ था। कुछ ऐसे भी इनपुट मिले हैं, जिनमें कहा गया है कि यह महिला किसी गलत धंधे या इंटरनेशनल सिंडिकेट में भी शामिल थी। अब पुलिस नए इनपुट के आधार पर नए सिरे से जांच में जुट गई है। मेरठ पुलिस ने इस मामले में विदेश मंत्रालय द्वारा संबंधित दूतावास से संपर्क कर आगे की जांच और कार्रवाई तेज कर दी है।

होली के रंग में सराबोर हुआ लखनऊ, चौक से निकला ऐतिहासिक जुलूस, गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। होली के रंगों के साथ राजधानी में सौहार्द का रंग अपनी परंपराओं में घुलकर और चटख हो गया। शहर के ऐतिहासिक चौक क्षेत्र में बुधवार को परम्परागत होरियारों का जुलूस धूमधाम के साथ निकला। करीब 70 वर्षों से लगातार निकल रहा यह जुलूस रंग-गुलाल, पुष्पवर्षा और फाग गीतों के बीच पूरे इलाके को होली के रंग में रंगता चला गया। घोड़े, ऊंट, बग्घी, रथ और खच्चरों पर सवार होरियारों की टोली ने टेसू के फूलों से बने रंग उड़ाते हुए लोगों को होली की शुभकामनाएं दीं। हवा में उड़ते रंग-बिरंगे गुलाल से आसमान इन्द्रधनुषी रंगों से भर उठा और दर्शकों ने इस मनमोहक दृश्य का भरपूर आनंद लिया।

जुलूस का नेतृत्व होली समिति के अध्यक्ष गोविन्द शर्मा, पार्षद व संयोजक अनुराग मिश्रा, उपाध्यक्ष डॉ. राजकुमार वर्मा, ओम प्रकाश दीक्षित, अमित टण्डन और राज बाबू रस्तोगी सहित अन्य वरिष्ठ नागरिकों ने किया। जुलूस चौक स्थित कोनेश्वर मंदिर से शुरू होकर पं. अमृत लाल नागर चौक, कमला नेहरू मार्ग, मेडिकल क्रासिंग, विक्टोरिया स्ट्रीट, मेफेयर तिराहा, अकबरी गेट, तहसीन मस्जिद, गोटा बाजार और चौक सर्राफा होते हुए पुनः पं. अमृत लाल नागर चौक पर सम्पन्न हुआ।

जुलूस में पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा और भाजपा नेता नीरज सिंह भी शामिल हुए। सभी ने पद्म विभूषण पं. अमृत लाल नागर और पूर्व राज्यपाल लालजी टण्डन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर लोगों को होली की बधाई दी।

जुलूस के दौरान गायकों की टोलियों ने फाग गीतों से माहौल को उत्सवमय बनाए रखा। वहीं, मुस्लिम समाज के लोगों ने भी जगह-जगह फूलों से स्वागत कर लखनऊ की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की। चौक सब्जी मंडी, विक्टोरिया स्ट्रीट, अकबरी गेट और सराय तहसीन समेत कई स्थानों पर व्यापार मंडलों और स्थानीय लोगों ने जुलूस का स्वागत किया।

समापन के अवसर पर समिति की ओर से 'होरियारा सम्मान' भी प्रदान किया गया। आकर्षक वेशभूषा के लिए उत्तम कपूर और आनंद रस्तोगी को 11-11 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया। करीब 200 वर्षों की परम्परा से जुड़ा चौक का यह होली मेला नवाबी दौर की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है।

देर रात तक चले इस आयोजन में विभिन्न सामाजिक संगठनों और व्यापार मंडलों की ओर से होली मिलन कैम्प लगाए गए, जहां लोगों को ठंडाई, खस और गुलाब का शरबत तथा पान खिलाकर बधाई दी गई। रंग खेलने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने कोनेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन भी किए।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में नि :शुल्क शिक्षा के लिए 7 मार्च तक करें आवेदन, 9 मार्च को लॉटरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों में प्री-प्राइमरी और कक्षा एक में प्रवेश के लिए दूसरे चरण में आनलाइन आवेदन प्रक्रिया चल रही है। अभिभावक सात मार्च (शनिवार) तक आवेदन कर सकते हैं। इस चरण के लिए चयनित बच्चों की लाटरी नौ मार्च को निकाली जाएगी। जो अभिभावक इस दूसरे चरण में भी आवेदन नहीं कर पाएंगे, उन्हें तीसरे और अंतिम चरण में 12 मार्च से आवेदन करने का मौका मिलेगा।

विभाग ने सभी पात्र अभिभावकों से समय रहते आनलाइन आवेदन करने की अपील की है, ताकि बच्चों को आरटीई के तहत निश्शुल्क शिक्षा का लाभ मिल सके। पहले चरण में कुल दो लाख 61 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से एक लाख 32 हजार बच्चों के प्रवेश के लिए चयन सूची जारी की जा चुकी है।

चयनित बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। बेसिक शिक्षा विभाग ने आरटीई के तहत चयनित बच्चों के प्रवेश के लिए 29 मार्च तक की अंतिम तिथि निर्धारित की है। इसके बाद निर्धारित समय सीमा में ही स्कूलों को सभी चयनित बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करना होगा।

लखनऊ रेल मंडल में लोको पायलट ने मेडिकल लीव बढ़वाने के लिए अधिकारी के सामने पैंट उतारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ रेल मंडल में लोको पायलट ने पाइल्स सर्जरी के बाद मेडिकल लीव न बढ़ाने पर अधिकारी के सामने पैंट उतार दी। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। इससे भड़की रेलवे यूनियन ने कर्मचारी के अपमान का आरोप लगाते हुए उस पर कार्रवाई की मांग की है।

लखनऊ में तैनात लोको पायलट राजेश मीणा की पाइल्स सर्जरी हुई थी जिसके बाद उसने अधिकारी को मेडिकल रिपोर्ट और दवा दिखाकर छुट्टी बढ़ाने की मांग की थी जिसे अधिकारी ने रिजेक्ट कर दिया। इससे निराश लोको पायलट ने अधिकारी से कहा कि घाव भी देखना है तो दिखा देता हूं... और ऐसा कहकर अपनी पैंट उतार दी। घटना से रेलवे विभाग मे हलचल है।

वहीं, रेलवे यूनियन ने पूरे मामले में गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए कर्मचारी के अपमान का आरोप लगाया है और रेलवे से अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। लोको पायलट को डॉक्टरों ने घाव पूरी तरह भर जाने के लिए आराम करने की सलाह दी थी जिसके लिए राजेश ने अधिकारी से छुट्टी बढ़ाने की मांग की। पूरा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं, घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

अब यूपी में आयुष्मान भारत योजना के क्लेम्स में ना होगी देरी और ना होगा फर्जीवाड़ा, डॉक्टर नहीं, AI देगा मंजूरी, समझिए प्रॉसेस

लखनऊ। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में अब क्लेम्स का फैसला डॉक्टरों की बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) करेगा। नेशनल हेल्थ अथॉरिटी (एनएचए) ने इस नए सिस्टम के लिए पायलट प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में यह प्रयोग शुरू होगा। यूपी में राज्य की एजेंसी- स्टेट एजेंसी फॉर कॉमप्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज)- जल्द ही एक ऑटोमेटेड एडजुडिकेशन सिस्टम तैयार करेगी। इस सिस्टम से क्लेम्स की जांच और अप्रूवल का काम तेज और पारदर्शी होगा। पहले क्लेम्स की जांच पूरी तरह मैनुअल होती थी, जिसमें डॉक्टर और अधिकारी शामिल होते थे। इसमें कई दिन लग जाते थे। अब एआई के जरिए साधारण क्लेम्स को कुछ घंटों में ही अप्रूवल मिल सकता है।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से यूपी को क्या फायदा, क्या जेडीयू यूपी चुनाव 2027 के लिए मजबूत होगी?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चा ना केवल प्रदेश, बल्कि पूरे देश में हो रही है। बिहार में तो जेडीयू कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। पटना में जेडीयू दफ्तर के सामने भी इसको लेकर प्रदर्शन किया गया। नीतीश के इस रुख को लेकर उत्तर प्रदेश में पार्टी क्या सोच रही है। उसके प्रदेश नेतृत्व का इस बारे में क्या मानना है, ये भी जानना जरूरी है। जनता दल (यू) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अनूप पटेल ने न्यूज18 से बातचीत में अपनी विस्तृत राय रखी है। आइये जानते हैं इस बारे में। ।

अनूप पटेल का इस बारे में कहना है कि नीतीश कुमार अगर केंद्र की राजनीति में आते हैं तो कहीं ना कहीं इसका फायदा उत्तर प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों के कार्यकर्ताओं और पार्टी को मिलेगा। उत्तर प्रदेश में भी जेडीयू की स्थिति मजबूत होगी।

दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के कदम के बाद बिहार की राजनीति को लेकर तमाम सवाल उठने लगे, क्योंकि अभी कुछ समय पहले ही नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। । लेकिन अभी कुछ दिनों से उनके बेटे निशांत कुमार की भी सक्रिय राजनीति में भागीदारी देखी जा रही है। तमाम मंचों पर उनका चेहरा दिखाया जाता है। इसके बाद कहा जा रहा है कि बिहार में इस बार जदयू के दो उप मुख्यमंत्री होंगे, जिसमें से निशांत कुमार एक हो सकते हैं। वहीं अगर मुख्यमंत्री की बात की जाए तो वह बीजेपी का ही कोई चेहरा होगा।

पूरे मामले पर उत्तर प्रदेश जनता दल यूके प्रदेश अध्यक्ष अनूप पटेल ने बदायूं में कहा कि हम लोग के सीनियर नेता का निर्णय देशहित में और पार्टी हित में हमेशा सही होता है। जैसा उनका निर्णय होगा हम सभी लोग उस निर्णय में उनके साथ हैं। उन्होंने कभी भी कोई ऐसा निर्णय नहीं लिया, जो देश हित में ना हो या पार्टी हिट में ना हो। उन्होंने कहा कि जो फार्मूला पहले था, पार्टी उसी लाइन पर काम करेगी। इस बार दो डिप्टी सीएम जदयू के होंगे और मुख्यमंत्री का चेहरा बीजेपी का होगा।

उन्होंने कहा कि हम लोगों की बहुत समय से मांग थी कि निशांत को सक्रिय राजनीति में लाया जाए। हमें उम्मीद है कि अब वह सक्रिय राजनीति में आएंगे। बिहार में समर्थकों के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि 2025 के चुनाव में हम लोगों ने घर-घर जाकर वोट मांगे और प्रचंड बहुमत से हमारी सरकार बनी तो स्वाभाविक बात है कि पब्लिक को बुरा तो लगेगा ही। कार्यकर्ताओं में पीड़ा है और वह पीड़ा रहेगी। नीतीश कुमार के केंद्रीय राजनीति में आने से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा अन्य कई और प्रदेशों की राजनीति में हमारी पार्टी को फायदा मिलेगा।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के बैंक खातों की जांच करेगाइनकम टैक्स विभाग, पिछले महीने मारा था छापा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके सहयोगियों के आवास व प्रतिष्ठानों पर बीते दिनों छापेमारी के बाद आयकर विभाग ने अब अगला कदम भी आगे बढ़ा लिया है। आयकर विभाग अब उमाशंकर सिंह और उनके सहयोगियों के बैंक खातों की जांच करेगा।

आयकर विभाग ने फरवरी में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के 30 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान आयकर विभाग की टीमों को बसपा विधायक, उनके सहयोगियों व कंपनियों के 100 से अधिक बैंक खातों की जानकारी मिली थी।

इसके साथ ही कई संपत्तियों व पट्टों से संबंधित दस्तावेज भी बरामद किए गए थे। अब आयकर विभाग बसपा विधायक और उनके करीबियों तथा कंपनियों के बैंक खातों की जांच करेगा। अभी तक छापेमारी में दस करोड रुपए नकद बरामद किए जा चुके हैं। कैंसर पीड़ित उमाशंकर सिंह और उनके सहयोगियों के आवास व प्रतिष्ठानों पर छापेमारी के विरोध में योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के साथ ही अन्य ने भी विरोध किया था। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती के साथ ही समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी इन छापों के तरीकों की निंदा की थी।

यूपी में आसान होगा तालाबों का पट्टा आवंटन, सीएम योगी को पत्र लिखने मत्स्य मंत्री संजय

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मत्स्य पालन के लिए तालाबों के पट्टा आवंटन में आ रही मुश्किलों को दूर करने और प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए मत्स्य विभाग प्रयास तेज करने जा रहा है।

हाल ही में हुए मीन महोत्सव में मत्स्य पालकों ने पट्टा आवंटन न होने से लेकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) स्तर से अनुमोदन मिलने में आ रही समस्याएं उठाई थीं। जिसके बाद मत्स्य मंत्री संजय निषाद द्वारा इनके समाधान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा जाएगा। प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक तालाबों के पट्टे आवंटित करने की कोशिश चल रही है। मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य सहकारी समितियों को गठन कर भी पट्टे आवंटित किए जा रहे हैं। मीन महोत्सव के दौरान सहकारी समितियों के लिए तालाबों के पट्टा आवंटन की दर व्यक्तिगत पट्टों से दोगुणा होने का मामला उठाया गया था। साथ ही पट्टे के लिए चयन होने के बाद एसडीएम स्तर से अनुमोदन न मिलने की भी शिकायतें मिली थीं।

पट्टों के आवंटन में नियमों की अनदेखी करने की भी बात कही गई थी। इस मत्स्य मंत्री ने समस्या निदान का आश्वासन दिया था। मंत्री ने बताया कि मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए हमारी कोशिश है कि सभी पट्टों का आवंटन पात्रों को आसानी से किया जा सके।

इस संबंध में वह मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगे। तालाबों के पट्टा आवंटन की दर में समानता, अभिलेखों के अंकित रकबे के अनुसार आवंटन और अनुमोदन की प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए मांग की जाएगी।

पिंक रोजगार महाकुंभ में 5000 युवतियों को मिलेगा नौकरी का मौका, इंटरव्यू के बाद होगा चयन

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के सभागार में 8 मार्च को पिंक रोजगार महाकुंभ लगने जा रहा है। यहां कक्षा 12 से परास्नातक तक की योग्यता रखने वाली करीब 5000 युवतियों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। जिला सेवायोजन अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी ने बताया कि इस वृहद रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और शिक्षित युवतियों को प्रतिष्ठित कंपनियों में सीधे रोजगार उपलब्ध कराना है। रोजगार महाकुंभ में ऑटोमोबाइल जैसे महिंद्रा, बजाज बैंकिंग और फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, ई-कॉमर्स जैसे फ्लिपकार्ट के अलावा आईटी और रिटेल सेक्टर की कई बड़ी कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। यहां 12वीं पास स्नातक,परोस्नातक, आईटीआई, पॉलीटेक्निक व डिप्लोमा धारक युवतियां रोजगार महाकुंभ में प्रतिभाग कर इस योजना का लाभ ले सकती हैं।

होली के रंग में रंगे अपार्टमेंट, विभिन्न अपार्टमेंट में धूमधाम से मनाया गया त्योहार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ शहर के विभिन्न आपर्टमेंट में होली धूमधाम से मनाई गई। सुबह से ही अबीर-गुलाल चढ़ने शुरू हो गए। गुझिया और ठंडाई के स्वाद ने त्योहर को और भी खूबसूरत बना दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्ग, महिला से लेकर पुरुष सभी होली के रंग में रंगे नजर आए। इस दौरान डीजे पर बज रहे गीतों पर जमकर झूमे।

होली का त्योहार सरयू एनक्लेव अवध विहार योजना में खूब धूमधाम से मनाया गया। सभी धर्मों के लोगों ने खूब उत्साह के साथ होली खेली। एंक्लेव की अध्यक्ष मीना सिंह व अन्य मौजूद रहे।

उधर, अरावली अपार्टमेंट में भी धूमधाम और आपसी मेलजोल के साथ होली मनाई गई। हर तरफ गुलाल ही गुलाल नजर आया। इसी तरह भागीरथी एंक्लेव अवध विहार योजना में भी गुझिया, पापड़, अबीर-गुलाल से होली मनाई गई। सभी ने एक दूसरे को रंग लगाकर और गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं।

यूपी के 7173 बच्चों के आइडिया इंस्पायर अवॉर्ड के लिए सेलेक्ट, लखनऊ के सर्वाधिक 370 प्रोजेक्ट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2025-26 में उत्तर प्रदेश के 7173 विद्यार्थियों के इनोवेशन आइडिया का चयन किया गया है।

चयनित विद्यार्थियों को अपने वैज्ञानिक आइडिया पर मॉडल या प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि सीधे बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और इंस्पायर अवार्ड मानक प्रभारी शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि चयनित विद्यार्थियों के बैंक खाते सक्रिय रखें। यदि किसी छात्र के खाते में केवाइसी या अन्य औपचारिकताएं लंबित हैं तो उन्हें तुरंत पूरा कराया जाए, ताकि प्रोत्साहन राशि के हस्तांतरण में किसी प्रकार की बाधा न आए।

स्कूलों में वैज्ञानिक सोच को मिलेगा बढ़ावा

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना का उद्देश्य स्कूल स्तर पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत छह से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपने नए वैज्ञानिक विचार या समस्या के समाधान से जुड़े आइडिया को प्रस्तुत किया था। इसमें से श्रेष्ठ आइडिया का चुनाव किया गया। चयनित विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता देकर उनके आइडिया को मॉडल के रूप में विकसित करने का अवसर दिया जाएगा, जिससे भविष्य में वैज्ञानिक शोध और नवाचार को बढ़ावा मिल सके। इस बार चयनित विद्यालयों में बेसिक शिक्षा और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के बच्चों ने भी स्थान बनाया है। निजी विद्यालयों के बच्चों के आइडिया का भी चयन हुआ है।

18 मंडलों में सबसे आगे लखनऊ मंडल

इस योजना में प्रदेश के सभी 18 मंडलों में से लखनऊ मंडल सबसे आगे रहा है। लखनऊ जिले से सर्वाधिक 370 विद्यार्थियों के आइडिया चयनित हुए हैं, जबकि मंडल स्तर पर लखनऊ मंडल से कुल 906 प्रोजेक्ट चयनित हुए हैं।

दूसरे स्थान पर है प्रयागराज

जिला स्तर पर दूसरे स्थान पर प्रयागराज है, जहां 216 विद्यार्थियों के आइडिया का चयन हुआ है। इसके अलावा वाराणसी से 192, गौतमबुद्धनगर से 185, बाराबंकी से 173, आगरा से 170, अलीगढ़ से 160, जौनपुर से 152, मुरादाबाद से 146, कानपुर नगर से 145, बिजनौर से 142 और बुलंदशहर से 140 विद्यार्थियों के आइडिया चुने गए हैं।

उधमपुर की साइबर पुलिस ने 19 पीड़ितों के 5.27 लाख रुपये की ठग

इसी तरह बरेली से 130, उन्नाव से 128, बस्ती से 124, प्रतापगढ़ से 122, इटावा से 121, लखीमपुर खीरी से 120, मेरठ और सीतापुर से 118-118, गोंडा से 117, गाजियाबाद से 115, गोरखपुर व फतेहपुर से 112-112, गाजीपुर से 109, बदायूं से 107, आजमगढ़ से 103 और देवरिया से 102 विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट चयनित हुए हैं। वहीं प्रदेश में सबसे कम चयन हमीरपुर से 19 विद्यार्थियों का हुआ है। इसके अलावा श्रावस्ती और महोबा से 21-21, शामली से 25 और बागपत से 29 आइडिया का चयन किया गया है।

10 हजार दी जाएगी प्रोत्साहन राशि

अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक चयनित बाल वैज्ञानिक को अपने मॉडल तैयार करने के लिए 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी।

होली के बाद मौसम में बदलाव के संकेत, अधिकतम तापमान तीन डिग्री तक बढ़ेगा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होली के बाद अब गर्मी अपना रंग दिखाना शुरू करेगी। मौसम विज्ञानियों के अनुसार तापमान में तीन डिग्री सेल्शियस तक बढ़ोतरी के संकेत हैं। तेज धूप होने से गर्मी बढ़ेगी।

बुधवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन भर तेज धूप रही। रूखी पछुआ हवाओं ने गर्मी का अहसास और बढ़ा दिया। मौसम विभाग के अनुसार, इन हवाओं की रफ्तार 30 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। इससे वातावरण में शुष्कता बनी रही। इसी तरह मंगलवार को तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई। झांसी प्रदेश में सबसे गर्म जिला रहा। यहां अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फतेहपुर, वाराणसी और आगरा में भी पारा 33 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में दोपहर के समय धूप तीखी रही। इससे लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, पछुआ हवाओं की रफ्तार में कमी आएगी। हालांकि अगले तीन से चार दिनों में अधिकतम तापमान में लगभग 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी के संकेत हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने की संभावना है।

योगी के विदेशी दौरों में सनातन धर्म और विकसित भारत का जलवा

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश के ऐसे प्रथम मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने भगवा वस्त्र धारण कर सिंगापुर और जापान की सफल विदेश यात्रा की और सनातन की धर्म ध्वजा फहराकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करने में सफल रहे। मुख्यमंत्री योगी सिंगापुर और जापान से प्रदेश के विकास के लिए अनेक निवेश प्रस्ताव लेकर आए हैं और कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए हैं, स्वाभाविक है इससे प्रदेश के विकास को एक नया बल मिलेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की पहली विदेश यात्रा जापान की थी और मुख्यमंत्री योगी भी अपनी विदेश यात्रा में सिंगापुर होते हुए जापान पहुंचे यानी कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अब प्रदेश के विकास को गति देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के पदचिह्नों का अनुगमन कर रहे हैं। दोनों ही देशों में मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों में जय श्रीराम की गूंज रही, अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर से लेकर काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के निर्माण का उल्लास सिंगापुर और जापान में भी दिखाई दिया। साथ ही मुख्यमंत्री सिंगापुर और जापान में जो बोल रहे थे उसका प्रभाव यूपी व देश की राजनीति पर भी दिखाई दे रहा था। योगी जी के वक्तव्यों पर वार पलटवार खूब हुए किंतु इन विदेश यात्राओं से यह तय हो गया कि अब यूपी का विकास थमने वाला नहीं है। पीडीए वाले हों या फिर बहुजन समाजवादी अब कोई भी यूपी में योगी जी को नहीं रोक सकता। सिंगापुर व जापान के दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60 से अधिक संवाद कार्यक्रमों में भाग लिया और राज्य में निवेश को लेकर 500 से अधिक निवेशकों के साथ संपर्क करके निवेश का आमंत्रण दिया। योगी जी की यात्रा के दौरान 1.5लाख करोड़ रुपए के निवेश को लेकर विभिन्न कंपनियों के साथ समझौते हुए और 2.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल को मिले हैं। यह निवेश धरातल पर उतरने के बाद राज्य के पांच लाख युवाओं को कौशल विकास रोजगार के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री की सिंगापुर और जापान यात्रा के दौरान सिंगापुर टोक्यो और यामानाशी में तीन बड़े निवेश रोड शो भी आयोजित किए गए। इनमें करीब 500 निवेशकों और वित्तीय संसाधनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जापान में मुख्यमंत्री योगी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि हम सूर्यपुत्र हैं और हमें सूर्य जैसी रोशनी चाहिए। उन्होंने निवेशकों को बताया कि यूपी में अब कोई दंगा नहीं होता है, सब चंगा है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिनकी प्रवृत्ति डकैती की थी उन्होंने यूपी को अंधेरे में रखा। अंधेरे मे काम करने वालों को उजाला रास नहीं आता। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने प्रदेश को भय और भ्रष्टाचार से मुक्त कर उजाले की ओर अग्रसर किया है। उन्होंने बताया कि पहले जहां प्रदेश को दंगों और कर्फ्यू की खबरों से पहचाना जाता था वहीं अब दीपोत्सव, महाकुंभ और वैश्विक निवेश उसकी नई पहचान बन रहे हैं। अयोध्या में दीपोत्सव, काशी में देव दीपावली और मथुरा -वृन्दावन में रंगोत्सव सकारात्मक परिवर्तन के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 156 करोड़ से अधिक पर्यटक आए।

निवेश और औद्योगिक साझेदारियों के साथ सिंगापुर और जापान का दौरा यूपी की सांस्कृतिक विरासत के प्रसार के लिए भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ है। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने प्रमुख नेताओं और कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधियों और बच्चों को यूपी के पारंपरिक शिल्प से तैयार 500 से अधिक विशिष्ट स्मृति चिह्न भेंट कर प्रदेश की कारीगरी को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई। यह पहल वोकल फॉर लोकल तथा आत्मनिर्भर भारत की सोच को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का अहम हिस्सा रही। निवेश वार्ताओं के समानांतर सांस्कृतिक प्रतीकों के माध्यम से मुख्यमंत्री ने यह संदेश देने का भी प्रयास किया कि यूपी केवल निवेश का गंतव्य नहीं अपितु समृद्ध परंपरा और शिल्प कौशल की धरती भी है। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर और जापान के बच्चों के लिए मंडला आर्ट से बनी 300 कलाकृतियां तैयार करवाई थीं।

विदेशियों ने यूपी की बारीक शिल्पकला की खुले मन से प्रशंसा की। उपहारों में फिरोजाबाद के रंगीन कांच से बनी भगवान श्रीराम, शिव ,राधा -कृष्ण और बुद्ध की प्रतिमाएं विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मुरादाबाद से ब्रास की शिव व बुद्ध प्रतिमाएं, वाराणसी की गुलाबी मीनाकरी से सुसज्जित काशी विश्वनाथ मंदिर का मॉडल, बुद्ध और मोर की कलाकृतियां तथा सहारनपुर की लकड़ी से तैयार शिव और राधा कृष्ण की प्रतिमाएं भेट कीं। इन उपहारों को पाकर बच्चों और निवेशकों के चेहरे खिल उठे। बनारस की मीनाकरी ने विदेशी प्रतिनिधियों को प्रभावित किया। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर की धरती से जेवर एयरपोर्ट का जल्द संचालन प्रारंभ होने की घोषणा की और बताया कि अब प्रदेश का विकास रुकने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने विदेशी दौरे में हिंदी भाषा में संवाद स्थापित कर सभी हिंदी प्रेमियों का भी दिल जीत लिया।

ट्रंप और राहुल का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण एक जैसा

बलबीर पुंज

एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है।

समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीति-जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल-पुथल भरी वैश्विक राजनीति में दो ऐसे व्यक्तित्व— अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी— दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा हैं। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप विदेशी है और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है।

एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। ट्रंप द्वारा भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहना कोई साधारण कूटनीतिक चूक नहीं थी। दरअसल, यह उस मानसिकता की झलक थी, जिसमें किसी राष्ट्र की ताकत को उसकी स्वतंत्र नीतियों से नहीं, बल्कि वह कितना 'हां में हां मिलाता है— उस पैमाने पर आंका जाता है। ट्रंप के सहयोगियों द्वारा भारत को रूस का लॉन्ड्रोमैट बताना और रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर ब्राह्मण समाज को निशाना बनाना— महज आर्थिक टिप्पणियां नहीं थीं, बल्कि कुटिल औपनिवेशिक चिंतन की परछाई थी।

लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था कथन का समर्थन— मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिकी मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर नरेंद्र-सरेंडर जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इनकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है।

निसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वे संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके है। हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने— जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत— से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने के बजाय इसे संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार-बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी।

राहुल की यह 'अराजक शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रेस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने-अनजाने में राहुल देशविरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते है। सितंबर 2024 की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है।

इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने अपने एजेंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है और उसे बचाने के लिए 'पश्चिमी हस्तक्षेप अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार-तंत्र का हथियार बन जाते है। राहुल इस तरह का व्यवहार क्यों करते है? क्या इसलिए कि वे 'विशेषाधिकार की भावना से ग्रस्त है? क्या वे मानते है कि केवल उन्हें ही अपने मुताबिक 'लोक (जनमानस) और 'तंत्र (मीडिया-न्यायालय सहित) चलाने का 'दैवीय अधिकार है? असल में उनका यह चिंतन न तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद पनपा है और न ही यह भाजपा-आरएसएस तक सीमित है। 27 सितंबर 2013 को उन्होंने अपनी ही केंद्र सरकार के एक अध्यादेश को बकवास बताते हुए उसे सार्वजनिक रूप से फाड़कर फेंक देने की बात कही थी। इसी ठसक से 2019 की एक चुनावी रैली में उन्होंने 'मोदी उपनाम वाले सभी लोगों को चोर कहा, तो 2024 की एक सभा में भाजपा के दोबारा सत्ता में आने पर देश के आग में जल उठने की आशंका जताई। लगातार चुनावी पराजयों के बाद वे चुनाव आयोग और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पर भी सवाल उठा रहे हैं।

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है। वर्ष 2014 से ऐसे राजनीतिक नेतृत्व को जनादेश मिल रहा हैं, जो सभ्यतागत पुनरोद्धार, कल्याणकारी वितरण और रणनीतिक दृष्टि से ईमानदार है। भारत अभूतपूर्व स्तर पर आधारभूत संरचना का निर्माण, डिजिटल माध्यम से जनहित योजनाओं का विस्तार, रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण और बहुपक्षीय मंचों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर रहा है।

ट्रंप अपने व्यवहार-वक्तव्यों से भारत का बहुत अधिक नुकसान नहीं कर सकते। एक तो उनका कार्यकाल सीमित है। दूसरा— भारत इतना सामर्थ्यवान हो चुका है कि वह किसी भी बड़ी वैश्विक शक्ति का विरोध सहते हुए सिर ऊंचा करके जी सकता है। परंतु भारत के भीतर— विशेषकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए जाने वाले गैर-जिम्मेदाराना वक्तव्य देश को गंभीर और गहरा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

टिप्पणी

ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसके मुताबिक इस तकनीक की राह में नियम-कायदे जैसी रुकावटें नहीं होनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र में इसी नजरिए को जगह मिली। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर हुए पहले तीन शिखर सम्मेलनों (लंदन, सियोल और परिस) में मुख्य जोर इस तकनीक से संबंधित सुरक्षा एवं इसका विनियमन पर था। मगर नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में ये चिंताएं हाशिये पर चली गईं। उसके बजाय नई दिल्ली घोषणापत्र में मुख्य ध्यान आर्थिक विकास और समावेशन पर दिया गया है। लगभग 900 शब्दों के इस दस्तावेज के केंद्रीय बिंदु एआई के लोकतांत्रिक सम्मिलन का चार्टर, एआई संसाधनों तक पहुंच को प्रोत्साहित करने का स्वैच्छिक एवं अबाध्यकारी फ्रेमवर्क, और स्थानीय प्रासंगिकता के मुताबिक आविष्कार आदि हैं।

ये बातें इतनी सामान्य किस्म की हैं कि इन पर मतभेद की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए सम्मेलन में शामिल हुए सभी 88 देशों ने सहजता से इस पर दस्तखत कर दिए। जबकि 2025 में हुए पेरिस सम्मेलन में चूंकि एआई के विनियमन पर जोर दिया गया, तो अमेरिका ने साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसकी दलील है कि इस तकनीक की राह में नियम- कायदे जैसी रुकावटें नहीं आनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र को इसी नजरिए से तैयार किया गया। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। चीन भी एआई संप्रभुता की वकालत करता है, इसलिए ऐसे दस्तावेज पर उसे कोई आपत्ति नहीं होनी थी, जिसमें एआई विनियमन के बारे में राष्ट्रीय सरकारों के अधिकार को स्वीकार किया गया हो।

चीन में एआई का उपयोग राजकीय नियोजन के तहत आम प्रशासन एवं जमीनी विकास के लिए हो रहा है। अमेरिका की तुलना में यह बिल्कुल अलग नजरिया है। चूंकि एआई के क्षेत्र में प्रमुख शक्तियां अमेरिका और चीन ही हैं, इसलिए वे अपने यहां इस तकनीक को कैसे विकसित कर रही हैं, वह इस समय वैश्विक चर्चा एवं ध्यान का प्रमुख बिंदु है। इस बीच एआई शिखर सम्मेलन उन दोनों सहित तमाम हितधारकों के बीच संवाद का मंच बने हैं। मगर वहां साझा घोषणापत्र अधिकतम सहमति पर ही आधारित हो सकते हैं। नई दिल्ली में यह सहमति बनी, क्योंकि विनियमन समर्थकों ने अपना रुख नरम क लिया और अमेरिकी मंशा के मुताबिक शब्दों के चयन पर सभी राजी हो गए।

ब्लॉग

बांग्लादेश हो या श्रीलंका या नेपाल- सवाल वही

सत्येन्द्र रंजन

बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। क्या बिना ऐसी संगठित पार्टी की मौजूदगी के- जिसके पास स्पष्ट विचारधारा और सुपरिभाषित संगठन हो- कोई ऐसा परिवर्तन हो सकता है, जिससे मूलभूत ढांचा बदले और आम जन के जीवन स्तर में सुधार का मार्ग प्रशस्त हो? बांग्लादेश में अगस्त 2024 जन व्रिदोह हुआ। अगुआई छात्रों ने की, जिनके पीछे आवाम का बहुत बड़ा हिस्सा लामबंद हुआ। उन सबकी शिकायत थी कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद तानाशाह बन गई हैं, उन्होंने लगातार तीन आम चुनाव चुरा लिए, उनके शासनकाल में सिर्फ उनसे जुड़े लोगों का भला हो रहा है, सवाल पूछने वालों को सताया जाता है, इत्यादि। इन सबसे लोगों में असंतोष भरता गया और जब उसका विस्फोट हुआ, तो शेख हसीना को देश छोड़ कर भागना पड़ा। उनकी पार्टी- अवामी लीग के जो लोग देश में रह गए, उन्हें लोगों का गुस्सा झेलना पड़ा। पांच अगस्त 2024 को शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बनी अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को प्रतिबंधित अवस्था में डाल दिया। 12 मई 2026 को हुए आम चुनाव में ये पार्टी भाग नहीं ले सकी।

उपरोक्त घटनाओं से शेख हसीना, उनके परिवार और उनकी पार्टी से नाराज लोगों को तसल्ली मिली होगी। लेकिन अब जबकि नए चुनाव के नतीजे सामने हैं, तो विवेकशील लोग यह सोचने को मजबूर होंगे कि इतनी बड़ी उथल-पुथल से आखिर हासिल क्या हुआ? दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में लौटी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) में आखिर नयापन क्या है? पार्टी की स्थापना सैन्य तख्ता पलट के जरिए सत्ता में आए जनरल जियाउल रहमान ने की थी। उनकी हत्या के बाद उनकी पत्नी बेगम खालिदा जिया ने पार्टी की कमान संभाली और दो बार प्रधानमंत्री रहीं। अब उन दोनों के बेटे तारीक रहमान उस पद पर पहुंचे हैं। तो एक राजनीतिक परिवार को भगाने का परिणाम दूसरे राजनीतिक परिवार की सत्ता में वापसी के रूप में सामने आया है। अतीत में दोनों की पार्टियां महज उन परिवारों की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा को साधने का जरिया बनी रही हैं, जैसाकि दक्षिण एशिया के दूसरे देशों में भी होता रहा है। ये पार्टियां आर्थिक-सामाजिक निहित स्वार्थों की नुमाइंदगी करती हैं और असल में वे ही उनकी ताकत का आधार हैं। वे ताकतें अपनी राजनीतिक वफादारी वक्त के साथ बदलती रहती हैं। शेख हसीना अगर सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया को बाधित नहीं करतीं, तो संभव है कि 2014, 2019 या 2024 के किसी आम चुनाव में सत्ता बदल के आम चलन के तहत ही बीएनपी की सरकार बन गई होती। जन विद्रोह हुआ, तो इसलिए कि शेख हसीना ने अनुचित तरीके अपना कर चुनाव के जरे सत्ता हस्तांतरण संभव नहीं होने दिया। तो क्या यह समझा जाए कि जिस जन विद्रोह में लगभग 1400 लोगों की जान गई, उसका मकसद सिर्फ बीएनपी को सत्ता में वापस लाना था? उसी बीएनपी को, जिसके पास देश को नई दिशा देने या लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की कोई ठोस योजना नहीं रही है। असल में अपने अनुदार नजरिए और महजबी कट्टरपंथ से अपने रिश्तों के कारण अतीत में वह अवामी लीग की तुलना में कामकाजी जनता के हितों के अधिक खिलाफ नजर आई है।

अब हकीकत यह है कि बांग्लादेश की सियासत कंजरवेटिव बीएनपी और धार्मिक कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के बीच बंट गई है। बहस के मुद्दे बांग्लादेश के पुराने संविधान को कायम रखने या शरिया कानून से प्रभावित अधिक इस्लामी ढंग से शासन चलाने के बीच सिमट गए हैं। क्या ऐसे ही बदलाव की आकांक्षा लिए बांग्लादेश के छात्र शेख हसीना के खिलाफ लामबंद हुए थे? ये बड़े, लेकिन बेहद आम किस्म के सवाल हैं। ये प्रश्न हर उस देश में वैसी घटना के बाद उठते हैं, जब कोई तानाशाह या आम सरकार जन-आक्रोश की भेंट चढ़ जाती है- जैसाकि पिछले सितंबर में नेपाल में और 2022 के मध्य में श्रीलंका में हुआ था। अब बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। नेपाल में पिछले सितंबर में कथित जेन-जी प्रतिरोध ने इतना भीषण रूप ग्रहण किया कि तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। वहां भीड़ ने अनेक राजनेताओं की सरेआम पिटाई की और सत्ता के केंद्र एवं प्रतीक भवनों को जला दिया गया। हालांकि प्रतिरोध सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर रोक लगाए जाने के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही उसने जारी राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ पूर्ण विद्रोह का रूप ग्रहण कर लिया। बताया गया कि नौजवान अपने लिए फैलती अवसरहीनता के बीच राजनेताओं और उनके बाल-बच्चों की आलीशान जिंदगी से नाराज थे, जिसका खुला इज़हार उन्होंने सड़कों पर उतर कर किया।

श्रीलंका और बांग्लादेश में हुए ऐसे ही विद्रोह से नेपाल का घटनाक्रम इस मामले में ही अलग था कि वहां के सत्ताधारी राजनेता को देश छोड़ कर नहीं भागे। कुछ समय के लिए वे पृष्ठभूमि में चले गए। इस दौरान एक नया प्रयोग यह हुआ कि जेनेरेशन-जेड के उभरे चेहरों ने सोशल मीडिया ऐप डिस्कॉर्ड के जरिए नई सरकार के मुखिया का चयन किया। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। उसी कार्की सरकार की देखरेख में वहां चुनाव कराए जा रहे हैं।

लेकिन चुनाव मुकाबले में फिर से वही चेहरे लौट आए हैं, जिन्हें हटाने के लिए जेन-जी और अन्य पीढ़ियों के लोगों ने उथल-पुथल मचाई थी। जो नया चेहरा सामने है, वह भी जेन-जी आंदोलन से नहीं उभरा। बल्कि उसके पहले सोशल मीडिया के जरिए बनी लोकप्रियता के आधार पर काठमांडू का मेयर बन चुका था। ये बालेन शाह हैं, जिन्होंने अपना करियर रैप म्यूजिक से निर्मित किया। रैपर के रूप में उन्होंने पारंपरिक राजनेताओं और राजनीति का मखौल उड़ाया। इससे इतनी लोकप्रियता मिली कि नेपाल की राजधानी के लोगों ने उन्हें मेयर चुन लिया। मगर किसी को यह नहीं मालूम कि बालेन शाह के पास देश के विकास एवं जन कल्याण का क्या कार्यक्रम है? उनकी विचारधारा क्या है या देश के बारे में उनकी परिकल्पना क्या है? इसके बावजूद पिछले आम चुनाव में अचानक उभरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। इस पार्टी की कथा भी अजीब है। इसकी स्थापना 2022 में हुई। इसके संस्थापक रवि लामिछाने हैं, जो पहले एक लोकप्रिय पत्रकार और टीवी होस्ट थे। पार्टी की विचारधारा के बारे में ज्यादा कुछ मालूम नहीं है, लेकिन 2022 के आम चुनाव में उसका भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडा लोकप्रिय हुआ, जिसे युवाओं का भारी समर्थन मिला। उस चुनाव में 21 सीटें जीत कर आरएसपी ने चौथी सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा पाया। गठबंधन की राजनीति में सत्ता का सुख भोगने के लिए इतनी सीटें काफी होती हैं, तो लामिछाने चुनाव के बाद बनी सरकार में गृह मंत्री बन गए। लेकिन उन पर सहकारी घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा। यह मामला नेपाल में सहकारी संस्थाओं में जुड़ी वित्तीय हेरफेर और धोखाधड़ी से संबंधित था। मामला इतना भड़का कि लामिछाने को जेल जाना पड़ा। मगर जेन-जी आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जेल पर धावा बोल कर रवि लामिछाने समेत 1500 से अधिक कैदियों को रिहा करा लिया। अब लामिछाने की पार्टी सत्ता के प्रमुख दावेदारों में शामिल होकर चुनाव लड़ रही है। चूंकि बालेन शाह की अपनी कोई पार्टी नहीं थी, तो वे आरएसपी में शामिल हो गए। चूंकि लामिछाने की छवि धूमिल हो गई थी, तो उन्होंने बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। यानी यह सुविधा का रिश्ता है, मगर नेपाल में फिलहाल यही एक नया विकल्प है। बाकी पार्टियां वही हैं, जो राजशाही के खात्मे के बाद से सत्ता में भागीदार रही हैं। उन्होंने आपस में इतनी बार गठबंधन बनाए और तोड़े कि उसे एकबारगी से याद रखना शायद उनके लिए भी मुमकिन नहीं होगा! तो वही ओली हैं, वही पुष्प कमल दहल हैं, और वही नेपाली कांग्रेस है- हालांकि पार्टी में विभाजन के बाद गगन थापा नेपाली कांग्रेस के नेता बन चुके हैं। पांच मार्च के बाद इन नेताओं से ही कोई एक प्रधानमंत्री बनेगा।

मगर उससे नेपाल में क्या बदलेगा? राजकाज की शैली या राजनीतिक संस्कृति में क्या बदलाव आएगा? देश के विकास और लोगों के जीवन स्तर में क्या फर्क पड़ेगा? तजुर्बे के आधार पर इन सवालों की पड़ताल करनी हो, तो हम अपना ध्यान श्रीलंका की तरफ ले जा सकते हैं। श्रीलंका में 2022 में अरागलया नाम से हुए जन विद्रोह के कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे को सपरिवार देश छोड़ कर भागना पड़ा था। उसके बाद लगभग दो साल तक वहां एक कार्यवाहक सरकार रही। सितंबर 2024 में नया चुनाव हुआ, तो श्रीलंका में कम-से-कम इतना तो जरूर हुआ कि एक ऐसा नया चेहरा उभरा, जिसकी ठोस राजनीतिक पृष्ठभूमि थी। अनुरा कुमारा दिसानायके तब राष्ट्रपति चुने गए, जो मार्क्सवादी- माओवादी जनता विमुक्ति पेरामुना से आए हैं। उनके मौजूदा दल नेशनल पीपुल्स पॉवर को भी वामपंथी माना जाता है। इसलिए दिसानायके की जीत को एक नए और बेहतर विकल्प तलाशने की जनता की आकांक्षा का प्रतीक समझा गया था। लेकिन उनके डेढ़ साल के शासनकाल का अनुभव क्या है? श्रीलंका या उसके बाहर का शायद ही कोई मार्क्सवादी आज यह कहने की स्थिति में हो कि दिसानायके सरकार ने श्रीलंका को कोई नई दिशा दी है, अथवा उन्होंने वामपंथी सरकार चलाई है। अधिकतम उपलब्धि यही बताई जाती है कि दिसानायके प्रशासन ने देश को राजनीतिक स्थिरता प्रदान की है और सरकार से जुड़े लोगों पर अब तक भ्रष्टाचार के कोई गंभीर आरोप नहीं लगे हैं। मगर इसे किसी रूप में वामपंथी उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जा सकता। दिसानायके ने आर्थिक नीतियों में कोई गुणात्मक या बुनियादी बदलाव नहीं किया, आईएमएफ की शर्तों के मुताबिक सरकार चलाने को सहज राजी हो गए, और इस क्रम में देश के बहुसंख्यक आवाम के जीवन स्तर में किसी बदलाव की उम्मीद उनसे नहीं बची है। दिसानायके को सिर्फ इतना श्रेय दिया जा सकता है कि उनके शासनकाल में श्रीलंका में राजनीतिक स्थिरता रही है और उन्होंने हालात को बदतर नहीं होने दिया। जबकि कई अन्य देशों का अनुभव ऐसा ही है, जहां जन विद्रोह के बाद बनी राजनीतिक व्यवस्था पहले से भी खराब साबित हुई।

गोरखपुर में फॉर्च्यूनर ने एमबीबीएस छात्र को उड़ाया, मौके पर ही मौत... ओवरब्रिज की रेलिंग पर लटकी लाश

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर में एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने एमबीबीएस छात्र को कुचल डाला। छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान फॉर्च्यूनर ने कई अन्य गाड़ियों में भी टक्कर मार दी। फॉर्च्यूनर गाड़ी की टक्कर इतनी तेज थी कि एमबीबीएस छात्र की लाश ओवरब्रिज की रेलिंग पर ही लटक गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है।

मृतक छात्र की पहचान 22 वर्षीय आकाश पांडे के रूप में हुई है, जो BRD मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस तृतीय वर्ष का छात्र था। घटना के बाद पुलिस के आला अधिकारी भी मर्चरी हाउस में पहुंच गए। पुलिस ने टक्कर मारने वाली

फॉर्च्यूनर कार को कब्जे में ले लिया है और उसके चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। आरोपी ड्राइवर का नाम गोल्डन साहनी है।

वहीं इस मामले में एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कार ड्राइवर गोल्डन सनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह पूरी घटना बुधवार रात करीब 10 बजे मोहद्दीपुर कौवाबाग ओवरब्रिज की है।

दोस्त से मिलने गया था आकाश

एमबीबीएस तृतीय वर्ष का छात्र आकाश पांडे होली मनाने के बाद देर शाम अपने दोस्त अनूप के घर मिलने गया था। वह उसके घर खाना खाने के बाद रात करीब 10 बजे वापस लौट रहा था। अभी वह डेढ़ से दो किलोमीटर ही चला होगा कि मोहद्दीपुर कौवाबाग ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। आकाश की स्कूटी में फॉर्च्यूनर की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आकाश स्कूटी से उछलकर 4 से 5 मीटर दूर ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराकर उस पर लटक गया और उसकी मौत हो गई। लगभग आधे घंटे तक आकाश का शव ओवरब्रिज की रेलिंग पर लटका रहा।

डॉक्टर्स ने किया हंगामा

मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने आकाश को मृत घोषित कर दिया। एमबीबीएस छात्र आकाश की मौत की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल की मर्चरी में मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की भीड़ लग गई। हादसे से नाराज डॉक्टर हंगामा करने लगे। मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए और डॉक्टरों को आश्वासन देकर शांत कराया। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फॉर्च्यूनर वाहन को जब्त कर लिया है, जबकि वाहन चालक और सवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

संत कबीर नगर का रहने वाला था छात्र

मृतक एमबीबीएस छात्र आकाश पांडे उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। हादसे की जानकारी जब उसके दोस्त अनूप को हुई तो वह मौके पर पहुंच गया। मृतक छात्र आकाश पांडे रात में अनूप के घर से ही भोजन कर वापस लौट रहा था। मौके पर पहुंचे अनूप का रो-रोकर बुरा हाल था। वह कह रहा था कि अभी तो वह मेरे घर से खाना खाकर निकला था। वह रोते हुए डॉक्टर से कह रहा था कि डॉक्टर साहब आप तो मेरे दोस्त को जिंदा कर सकते हैं ना। वहां मौजूद लोगों ने उसे काफी समझाया और दिलासा दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक फॉर्च्यूनर कार की स्पीड काफी तेज थी और वह अनियंत्रित होकर सीधे स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि हेलमेट दूर जा गिरा, जबकि छात्र गंभीर रूप से घायल होकर ओवरब्रिज की रेलिंग पर अटक गया। इसके बाद राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया।

फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं फॉर्च्यूनर गाड़ी को पुलिस ने जब्त कर लिया है, जबकि वाहन चालक और गाड़ी सवार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ड्राइवर के नशे में होने की आशंका जता रही है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी पुष्टि होगी। मेडिकल छात्र की मौत के बाद मेडिकल कॉलेज परिसर में गम का माहौल है।

अयोध्या में होली के बाद सरयू में नहाने गए तीन किशोर डूबे, दो की मौत; एक को बचाया गया

अयोध्या। अयोध्या में होली की खुशियां के बीच एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां रौनाही थाना क्षेत्र के कलाफ़रपुर घाट पर सरयू नदी में नहाने गए तीन किशोर डूब गए। मुबारकगंज गांव के रहने वाले ये तीनों किशोर होली खेलने के बाद नहाने के लिए सरयू नदी में गए थे। तीनों को तैरना नहीं आता था। नहाते समय तीनों गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूबने लगे। शोर सुनकर दौड़े स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और एक किशोर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, इस हादसे में दो किशोरों की जान नहीं बचाई जा सकी। मृतकों की पहचान राज सैनी और सुमित कोरी के रूप में हुई है, जो मुबारकगंज गांव के निवासी थे। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शवों को नदी से बाहर निकाला गया। घटना के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

अबूधाबी में फंसे संत सकुशल अयोध्या लौटे, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत, पूर्व सांसद भी पहुंचे

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। दशरथ महल बड़ा स्थान के महंत बिंदुगद्याचार्य और महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य महाराज अबूधाबी में एक सप्ताह तक फंसे रहने के बाद सकुशल अयोध्या लौट आए हैं। उनके सुरक्षित लौटने की खबर से संत समाज और श्रद्धालुओं में खुशी का माहौल है।

बुधवार सुबह महर्षि एयरपोर्ट पर उनके आगमन पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, रसिक पीठ के आचार्य महंत जनमेजय शरण तथा महंत हेमंत दास सहित अनेक संतों और भक्तों ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया।

जानकारी के अनुसार, महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य महाराज 27 फरवरी को अबूधाबी स्थित स्वामीनारायण मंदिर के दर्शन के लिए गए थे। इसी दौरान ईरान और इजरायल के बीच बढ़े तनाव के कारण खाड़ी क्षेत्र में हालात बिगड़ गए और कई उड़ानों पर अस्थायी रोक लगा दी गई। इसके चलते उनकी 2 मार्च को प्रस्तावित भारत वापसी संभव नहीं हो सकी और वे वहीं रुकने को विवश हो गए।

महाराज के विदेश में फंसे होने की खबर से अयोध्या के संत समाज और उनके अनुयायियों में चिंता का माहौल बन गया था। उनकी सकुशल वापसी के लिए अयोध्या में कई स्थानों पर हवन, पूजन और यज्ञ का आयोजन कर विश्वशांति तथा उनकी सुरक्षा की कामना की गई। बाद में हालात सामान्य होने पर 4 मार्च से हवाई सेवाएं दोबारा शुरू हुईं। इसके बाद महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज भारत के लिए रवाना हुए और सकुशल अयोध्या पहुंच गए। एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में संत और श्रद्धालु मौजूद रहे।

पति की मौत के बाद ऑटो ड्राइवर से चलाया अफेयर, शादी के लिए नहीं माना तो सरेआम जिंदा जलाकर मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ताजनगरी आगरा के लोहामंडी इलाके से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां प्रेम-प्रसंग के विवाद में एक युवक को जिंदा जलाने के मामले में 7 दिन बाद उसकी मौत हो गई। 80 प्रतिशत तक झुलसे 25 वर्षीय चांद ने बुधवार रात अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने शव को सड़क पर रखकर जमकर हंगामा किया।

घटना 27 फरवरी की रात की है। स्वरूप कॉलोनी निवासी चांद (25) पेशे से ऑटो ड्राइवर था। वो सवारी छोड़कर घर लौट रहा था। परिजनों के अनुसार, आजमपाड़ा रोड पर उसकी कथित प्रेमिका शबनम, उसकी मां, भाई और एक अन्य व्यक्ति ने उसे रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि पहले उनके बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद आरोपियों ने चांद को जबरन ऑटो से बाहर खींचा और मारपीट की। इसी दौरान शबनम और उसके परिजनों ने चांद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और मौके से फरार हो गए।

चीख-पुकार सुनकर पहुंचे स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और गंभीर रूप से झुलसे चांद को एसएन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालत बिगड़ने पर उसे एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, चांद का शरीर 80 प्रतिशत तक जल चुका था। सात दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद आखिरकार बुधवार रात उसकी सांसें थम गईं।

सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन

चांद की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का धैर्य जवाब दे गया। उन्होंने सड़क जाम कर पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने मुख्य आरोपी शबनम और नगीना को हिरासत में लेने के बाद बिना कार्रवाई के छोड़ दिया। आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार को धमकियां दे रहे हैं। पुलिस इस मामले में ढीला रवैया अपना रही है।

2 साल पुराना था लव अफेयर

मृतक के भाई शबीर ने बताया कि चांद और शबनम के बीच पिछले दो साल से अफेयर चल रहा था। शबनम मूल रूप से मथुरा की रहने वाली है। उसकी शादी आजमपाड़ा में हुई थी, लेकिन पति की मौत के बाद वो अपने देवर के साथ रहने लगी थी। इसी बीच उसका चांद के साथ प्रेम संबंध शुरू हुआ, जिसका अंत इस दर्दनाक हत्या के साथ हुआ।

एसीपी का आश्वासन, जांच शुरू

हंगामे की सूचना मिलते ही एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अब हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

गन्ने के खेत में मिला महिला का शव, अस्त-व्यस्त थे कपड़े, गले में बंधी थी साड़ी, हत्या की आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। पीलीभीत जिले में होली के दिन घर से बकरी चराने निकली जहानाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 55 वर्षीय महिला का शव बृहस्पतिवार को गांव के बाहर गन्ने के खेत में पड़ा मिला। ग्रामीणों के अनुसार महिला के गले में साड़ी का फंदा लिपटा था। कपड़े भी अस्त व्यस्त थे। परिजन ने महिला की गला घोंटकर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परिजन ने बताया कि महिला बुधवार की दोपहर करीब एक बजे घर से बकरी चराने निकली थी। शाम के समय बकरियां तो घर आ गईं, लेकिन महिला वापस नहीं आई। अनहोनी की आशंका पर परिजनों ने महिला की तलाश शुरू की। रात में उसका कोई सुराग नहीं मिला। बृहस्पतिवार की सुबह करीब 11 बजे महिला का शव गांव से करीब पांच सौ मीटर दूर गन्ने के खेत में पड़ा

मिला।

पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

इसका पता चला तो ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पति और अन्य परिजन पहुंचे। जानकारी पाकर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजन गला घोंटकर हत्या की बात कह रहे हैं। मृतका के परिवार में पति और एक बेटा है। बेटा कहीं बाहर रहकर काम करता है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि महिला का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट होगी।

बागपत में होली की दावत पर बुलाया, फिर अपने ही दोस्त को मार डाला...

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जहां एक ओर लोग रंगों के त्योहार में खुशियां मना रहे थे, वहीं सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र के तितरौदा गांव में दोस्तों ने होली की दावत पर बुलाकर युवक की हत्या कर डाली। 17 वर्षीय अमृत की उसी के दोस्तों ने चाकुओं से गोदकर हत्या कर डाली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक अमृत बिनौली थाना क्षेत्र के बड़ावद गांव का रहने वाला था। परिजनों ने बताया कि अमृत को उसके दोस्त समीर ने फोन कर होली की दावत के लिए अपने गांव तितरौदा बुलाया था। समीर के बुलावे पर अमृत अपने भाई सागर और दोस्तों कार्तिक व बॉबी के साथ तितरौदा गांव

पहुंचा था। बताया जा रहा है कि तितरौदा गांव में समीर और उसके साथी चिकन लेने के लिए एक चिकन शॉप पर गए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि समीर और उसके साथियों ने अमृत पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने अमृत की गर्दन, सीने और कमर पर चाकुओं से कई वार किए।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

गंभीर रूप से घायल अमृत ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

दुबई में नौकरी करती हैं मां-बहन

परिजनों के मुताबिक, अमृत की मां और बहन दुबई में नौकरी करती हैं। बेटे की हत्या की खबर मिलते ही दोनों के भारत लौटने की कोशिशें की जा रही हैं। अमृत की मौत से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

यूपी में जीने की रेलिंग में दुपट्टे से लटका मिला 8 साल की बच्ची का शव, घर पर तीन भाई-बहन; बाहर से लगा था ताला

शाहजहांपुर। शहर के लोदीपुर मोहल्ला निवासी आठ वर्षीय सोनम का शव जीने की रेलिंग पर दुपट्टे के फंदे से लटका मिला। मां नीलम गेट में ताला लगाकर काम पर गई हुई थीं। घर में मौजूद तीन अन्य भाई बहन ने जब सोनम का शव देखा तो दूसरी चाबी फेंककर पड़ोसी से ताला खुलवाया। लोदीपुर निवासी नीलम घरों में बर्तन मांजती हैं। पति ओमकार की मारपीट से तंग आकर चार बच्चे 10 वर्षीय बेटी शीतल, आठ वर्षीय सोनम, छह वर्षीय बेटे गोपी व पांच वर्षीय शिव के साथ मुहल्ले में ही कुछ माह से किराये पर रह रही थीं। बुधवार देर शाम वह बच्चों को घर में छोड़कर काम करने गईं थीं। गेट में बाहर से ताला लगा दिया था। सभी बच्चे टीवी देख रहे थे, सोनम इस बीच बहन का दुपट्टा लेकर छत पर चली गई। कुछ देर बाद जीने की रेलिंग पर उसका शव फंदे से लटका मिला।

डेढ़ घंटे नहीं, अब सिर्फ 20 मिनट में पहुंचेंगे फरीदाबाद से जेवर एयरपोर्ट... यूपी-हरियाणा के 18 गांवों की चमकेगी किस्मत

आर्यावर्त संवाददाता

फरीदाबाद। स्मार्ट सिटी फरीदाबाद और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के बीच की दूरी अब जल्द ही सिमटने वाली है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) द्वारा तैयार किया जा रहा 31 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे फरीदाबाद के औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने वाला है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद, फरीदाबाद से जेवर पहुंचने में जहां अभी 1.5 घंटे से भी ज्यादा का समय लगता है, वहीं भविष्य में ये सफर महज 15 से 20 मिनट में पूरा होगा।

यह अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे 6-लेन का होगा, जिसे भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 8-लेन तक बढ़ाया जा सकता है। ये एक्सप्रेसवे फरीदाबाद के सेक्टर-65 से उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित दयानतपुर गांव से होकर गुजरेगा। यहीं जेवर

एयरपोर्ट है। इस मार्ग का लगभग 22-24 किमी हिस्सा हरियाणा में और करीब 7-9 किमी हिस्सा उत्तर प्रदेश में आता है।

इन 18 गांवों की चमकेगी किस्मत

यह एक्सप्रेसवे हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुल 18 गांवों से होकर गुजरेगा, जिससे इन इलाकों में रियल एस्टेट और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इसमें हरियाणा के गांव शाहपुर, सोतई, चंदावली, बहबलपुर, फफूंदा, पन्हेड़ा खुर्द, नरहावली, मेहमादपुर, हीरापुर, मोहना, कलन और बाघपुर शामिल हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के झुप्पा, फलैदा बांगर, अमरपुर, करौली बांगर, वल्लभनगर और दयानतपुर गांव शामिल हैं।

निर्माण की वर्तमान स्थिति और लागत

लगभग 2,414 करोड़ रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। परियोजना के तहत कुल 3000 पाइल्स (Piles) बनने हैं, जिनमें से 1200 का काम पूरा हो चुका है। यमुना नदी पर गर्डर रखने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो निर्माण का एक महत्वपूर्ण चरण है। NHAI ने इसे अप्रैल 2027 तक पूरी तरह चालू करने का लक्ष्य रखा है, हालांकि उम्मीद है कि कुछ हिस्से 2026 तक ही यातायात के लिए खोल दिए जाएंगे। यह एक्सप्रेसवे न केवल फरीदाबाद बल्कि पूरे दिल्ली-एनसीआर के लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी हब के रूप में उभरेगा।

होली के दूसरे दिन पुरुष घरों में कैद! गांव में महिलाओं की टोलियां दे रहीं पहरा... दिलचस्प है ये कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

बुंदेलखंड। बुंदेलखंड में होली का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। अबीर, गुलाल और रंगों से तर-बतर महिलाओं और पुरुषों की टोलियां जब फाग के गानों की तान छेड़ती हैं तो माहौल बेहद मनमोहक हो जाता है। हमीरपुर जिले के कुंडौरा गांव की महिलाओं की अनोखी होली सबसे प्रसिद्ध है। यहां होली में पुरुषों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित होता है और होली के दिन पुरुषों को घरों में रहना पड़ता है।

यहां महिलाएं गांव के कई रास्तों पर लाठी-डंडों के साथ पहरा देती हैं और बाकी महिलाओं की टोलियां गांव में रंगों के साथ ठिठोली करती दिखाई देती हैं। अगर गांव का कोई पुरुष धोखे से भी महिलाओं के बीच पहुंच जाता है तो उसे महिलाओं के कपड़े पहनाकर नचवाया जाता है और विरोध करने पर पिटाई भी हो जाती

है। रंगों से सराबोर सैकड़ों महिलाओं का हुजूम जब होली खेलने निकलता है, तब गांव के पुरुष घरों में कैद हो जाते हैं। महिलाएं गांव में घूम-घूमकर रंग खेलती हैं। ढोलक की थाप और मजीरों की धुन पर तरह-तरह के नृत्य कर ये महिलाएं होली के हुड़दंग का पूरा आनंद उठाती हैं। साल भर घूंघट में रहने वाली महिलाएं होली के दिन अपनी हुकूमत चलाती हैं।

अगर किसी पुरुष ने इन महिलाओं की होली को देखने की कोशिश की या गांव से गुजर रही महिलाओं की टोली के सामने आने की जुर्रत की, तो उसकी दुर्दशा होना तय है। अगर कोई पुरुष इनके बीच फंस जाता है तो उसे भी लहंगा-चोली पहनाकर जबरन नचाया जाता है। इसी डर के चलते होली के दिन पुरुष घरों में रहते हैं और महिलाएं बाहर होली के हुड़दंग का मजा लेती हैं।

500 साल पुरानी है परंपरा

जिले के कुंडौरा गांव में महिलाओं की होली का इतिहास लगभग 500 साल पुराना बताया जाता है। गांव की बहुएं और बेटियां भी फाग निकालने के दौरान नृत्य करती हैं, जिसे गांव का कोई पुरुष देख नहीं सकता। यदि किसी ने देखने की हिम्मत भी की तो उसे लट्ठ लेकर गांव से खदेड़ दिया जाता है। यहां महिलाओं की फाग निकालने की कोई फोटो या वीडियो भी नहीं बना सकता। यदि कोई इस अनूठी परंपरा का चोरी-छिपे फोटो लेते पकड़ा गया तो उस पर भारी जुर्माना लगाया जाता है और महिलाएं उसकी पिटाई भी कर देती हैं। गांव की बुजुर्ग महिला सीता देवी के मुताबिक, कई पीढ़ियों से यह परंपरा चली आ रही है। साल में एक बार होली के दिन ही यहां महिलाओं को घर और घूंघट से बाहर निकलकर खुलकर उत्सव मनाने का मौका मिलता है।

पुरुषों को घरों में रहना पड़ता है कैद

सालों से यहां की परंपरा है कि होली के दूसरे दिन पूरे गांव की महिलाएं और लड़कियां एकजुट होकर होली खेलती हैं। उनकी टोलियां पूरे गांव में घूमती हैं। इस दिन पूरे गांव के पुरुषों को घरों में ही रहना पड़ता है। गांव के मुख्य मार्गों पर भी महिलाएं मौजूद रहती हैं, जो किसी भी पुरुष के बाहर निकलते ही उसे रंगों से सराबोर कर देती हैं और मजाक में परेशान करती हैं। कई बार महिलाएं उन्हें अपने बीच नृत्य करने के लिए भी मजबूर कर देती हैं। गांव के पूर्व ग्राम प्रधान अवधेश के मुताबिक, वे इस प्राचीन परंपरा को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं और कई बार महिलाओं के दंड का शिकार भी हो चुके हैं।

दूर-दराज से मायके पहुंचती हैं गांव की बेटियां

बुंदेलखंड में फागुन का महीना शुरू होते ही टेसू के फूलों की लालिमा से पूरा वातावरण रंगीन हो जाता है। गांव-गांव में होरियारे लाठियां चलाकर होली खेलना शुरू कर देते हैं, वहीं महिलाएं भी होली गीत गाकर नृत्य करती हुई उनका उत्साह बढ़ाती हैं। लेकिन कुंडौरा गांव में इसका उल्टा नजारा देखने को मिलता है। यहां महिलाएं खुलकर होली खेलती हैं, जबकि पुरुषों को घरों में कैद रहना पड़ता है। महिलाओं की इस अनोखी होली की ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है। इस परंपरा में शामिल होने के लिए गांव की बेटियां भी अपनी ससुराल से मायके लौट आती हैं और पूरे उत्साह के साथ इस खास होली का हिस्सा बनती हैं।

अज्ञात वाहन ने पीछे से बाइक को रौंद दिया, हादसे में तीन युवकों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। सिकन्दराराऊ थाना अंतर्गत 4 मार्च तड़के तीन बजे अलीगढ़ जीटी रोड पर एटा की तरफ जा रही बाइक को अज्ञात वाहन ने पीछे से रौंद दिया। हादसे में एक ही बाइक पर सवार तीनों युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभी तक हादसे की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैनपुरी के कंपिल निवासी मुस्तकीम उर्फ इकबाल पुत्र गुड्डू, एटा के सिढ़पुरा निवासी समीर खान पुत्र मुन्ने खान व कायमगंज निवासी असलम पुत्र राजू नोएडा में नौकरी करते थे। तीनों एक ही बाइक से अपने गांव जा रहे थे। 4 मार्च तड़के जीटी रोड स्थित गांव हुसैनपुर पर पीछे से आते

अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर से तीनों बाइक सवार गंभीर घायल हो गए। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की जेब से मिल दस्तावेजों के आधार पर परिजनों को सूचित किया गया। कोतवाल शिवकुमार शर्मा ने कहा की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बच्चे क्यों हो रहे हार्ट अटैक का शिकार? 9 वर्षीय छात्रा की खेलते-खेलते चली गई जान

राजस्थान के नागौर जिले के एक स्कूल में 5वीं कक्षा की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्ची स्कूल में खेल रही थी, तभी उसे अचानक सीने में दर्द हुआ और वह गिर पड़ी। करीब चार महीने पहले उसके बड़े भाई की भी कथित तौर पर हार्ट अटैक से इसी तरह मौत हो चुकी है।

और इससे मौत के मामले क्यों बढ़ते जा रहे हैं?

दिल की बीमारियां और हार्ट अटैक से मौत के मामले दुनियाभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं। सोशल मीडिया, न्यूज के माध्यम से हम सभी अक्सर हार्ट अटैक से मौत के मामले सुनते-देखते रहते हैं। ऐसी ही एक दिल दहला देने वाला मामला राजस्थान के नागौर जिले से सामने आया है, जहां 5वीं कक्षा की छात्रा की मौत हो गई। वह स्कूल में खेल रही थी, अचानक सीने में दर्द हुआ और वह गिर पड़ी। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई है।

हैरान करने वाली बात ये है कि कुछ ही महीने पहले मृतक छात्रा के 16 वर्षीय भाई की भी इसी तरह से मौत हो गई थी। कुछ ही महीनों में हुए इन दो घटनाओं ने परिवार को बुरी तरह से तोड़ दिया है।

अब आपके मन में भी सवाल होगा कि बच्चों का लाइफस्टाइल आमतौर पर ठीक होता है, वो शारीरिक रूप से खूब दौड़-भाग भी करते हैं फिर भी उनमें दिल की बीमारियां के मामले क्यों बढ़ते जा रहे हैं?

बच्ची की मौत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

5वीं कक्षा की छात्रा की मौत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, कि बच्ची अपने दोस्तों के साथ स्कूल के बास्केटबॉल कोर्ट में खेल रही थी, तभी वह अचानक लड़खड़ाकर जमीन पर गिर गई। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लड़की की पहचान दिव्या के तौर पर हुई है, जो गोटन जिले के एक प्राइवेट स्कूल में क्लास 5 में पढ़ती थी। परिवार के मुताबिक, बच्ची ठीक थी और उसे पहले कोई गंभीर बीमारी भी नहीं थी।

इससे करीब 5 महीने पहले सितंबर 2025 में दिव्या का भाई अभिषेक घर पर खेलते समय गिर गया, जब उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अब सवाल है कि बच्चों में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामले क्यों बढ़ते जा रहे हैं?

बच्चों में क्यों बढ़ रहा है हार्ट अटैक का खतरा?

कम उम्र में, विशेषतौर पर बच्चों को हार्ट अटैक क्यों आते हैं, ये सवाल अक्सर लोगों के मन में बना रहता है। अमर उजाला से एक बातचीत में दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ रवि प्रकाश बताते हैं, हार्ट अटैक को अक्सर अनहेल्दी लाइफस्टाइल की आदतों के कारण होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता है।

बच्चे चूंकि दौड़-भाग खेलकूद अधिक करते हैं ऐसे में इनमें शारीरिक निष्क्रियता के कारण होने वाला खतरा नहीं होता है।

खान-पान की गड़बड़ी दिल की बीमारियों के खतरे को बढ़ा देती है। जब बच्चे जरूरत से ज्यादा कैलोरी वाली चीजों का सेवन शुरू करने लगते हैं तो इससे मोटापे का खतरा बढ़ता है।

मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है जिससे दिल से संबंधित समस्याओं के मामले बढ़ सकते हैं।

क्या टॉडलर और प्री-स्कूलर बच्चे भी हो सकते हैं दिल की बीमारियों शिकार?

बाल हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ आरती सिन्हा बताती हैं, आमतौर पर टॉडलर (1 से 3 साल) बच्चों में हार्ट अटैक का जोखिम बहुत कम होता है, इस तरह के मामले काफी दुर्लभ माने जाते हैं। ये उम्र चलने-फिरने, दौड़ने वाला होता है। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण टॉडलर या प्री-स्कूलर (3-5 साल) बच्चों में दिल का दौरा पड़ना बहुत दुर्लभ है। हालांकि कुछ बच्चों में जन्मजात हृदय रोग, हार्ट की खराबी, आनुवांशिक हार्ट से संबंधित समस्याओं या कावासाकी बीमारी जैसी दुर्लभ बीमारियों के कारण दिल से संबंधित रोगों और जटिलताओं का खतरा हो सकता है।

दिल की बीमारियों के जोखिम

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग बहुत ज्यादा जंक फूड खाते हैं, फिजिकल एक्टिविटी कम करते हैं, हर समय स्क्रीन से चिपके रहते हैं उनमें दिल की बीमारियों का जोखिम अधिक हो सकता है।

बच्चों में बढ़ता स्क्रीन टाइम उनकी शारीरिक गतिविधियों को कम कर देता है। इससे मोटापा, शरीर में इंफ्लेमेशन और दिल से संबंधित बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है।

बच्चों में बढ़ती हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी को लेकर विशेषज्ञ पहले से चिंता जताते रहे हैं, इससे दिल के साथ किडनी और आंखों को भी नुकसान हो सकता है।

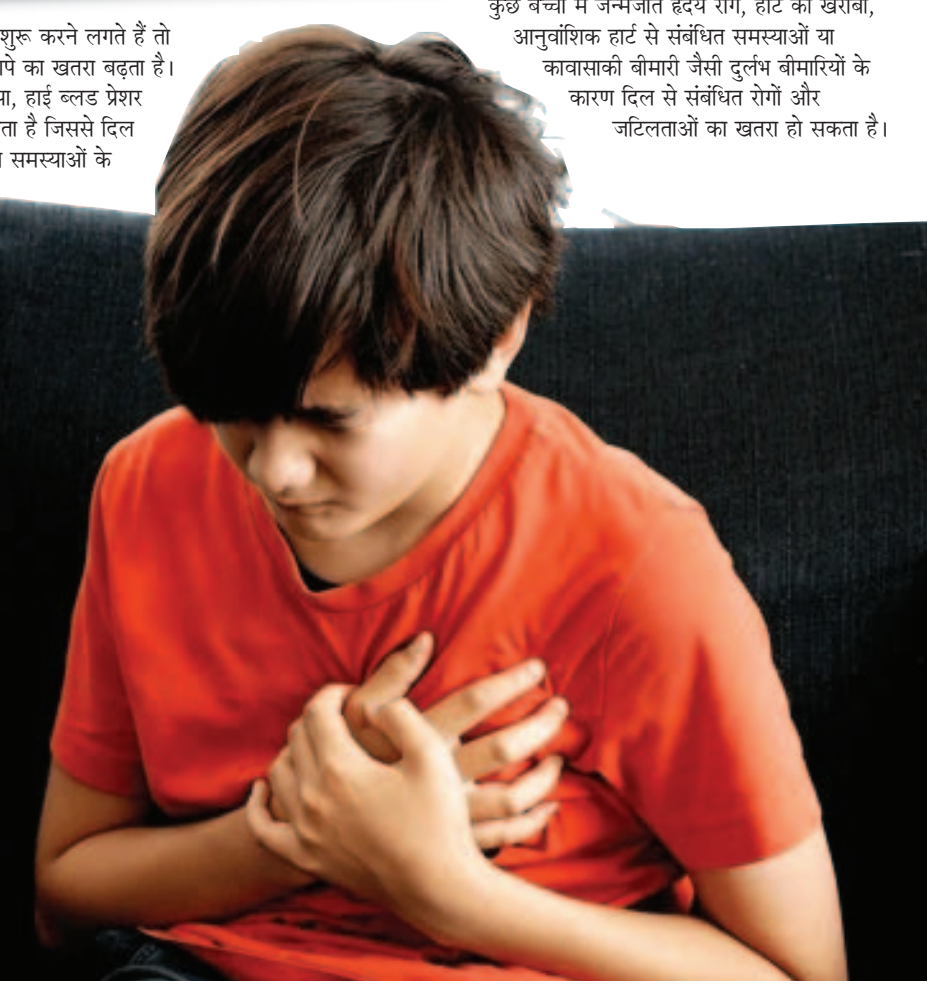

बैंगन से बनाकर खाएं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन, घर में सभी को आएंगे पसंद

बैंगन एक ऐसी सब्जी है, जिसे ज्यादातर लोग पसंद करते हैं। आमतौर पर भारतीय खान-पान में इसे सब्जी के रूप में ही पकाया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इससे कई अनोखे और स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको बैंगन से बनाए जाने वाले कुछ अनोखे व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। इन व्यंजनों का स्वाद आपके खाने के अनुभव को खास बना देगा।

बैंगन का भरता

बैंगन का भरता एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट व्यंजन है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को अच्छे से भून लें, फिर उसे छीलकर मसल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले डालकर भूनें। इसके बाद इसमें मैश किया हुआ बैंगन मिलाएं और कुछ देर तक पकने दें। अंत में हरे धनिये से सजाकर इसे रोटी या पराठे के साथ खाएं।

बैंगनी चावल

बैंगनी चावल एक अनोखा और स्वादिष्ट व्यंजन है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चावल को पकाकर अलग रख लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालें। अब इसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले मिलाकर भूनें। इसके बाद इसमें मैश किया हुआ बैंगन मिलाएं और थोड़ी देर पकने दें। अंत में पके हुए चावल मिलाकर खाएं।

बैंगन के पकोड़े

बैंगन के पकोड़े एक बेहतरीन नाश्ता है, जिसे आप चाय के साथ आनंद लेकर खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बेसन में नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अजवाइन मिलाकर घोल तैयार करें। अब बैंगन को पतले-पतले टुकड़ों में काट लें। फिर इन टुकड़ों को बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में तलें, जब तक कि वे सुनहरे भूरे न हो जाएं। इन्हें गर्मा-गर्म चाय और चटनी के साथ परोसें।

बैंगनी करी

बैंगनी करी एक खास तरह की करी है, जिसे नारियल के दूध से बनाया जाता है। इसके लिए सबसे पहले नारियल का दूध गर्म करें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर भूनें। इसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। इसके बाद इसमें टुकड़ों में कटे हुए बैंगन मिलाएं और नारियल का दूध डालकर पकने दें। इसे रोटी या चावल के साथ खाएं।

बैंगनी टिक्का

बैंगनी टिक्का एक बेहतरीन स्टार्टर है, जिसे आप पार्टी या खास अवसरों पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दही में नमक, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाकर मसाला तैयार करें। अब इस मसाले में बड़े-बड़े टुकड़ों में कटे हुए बैंगन डालकर कुछ घंटे ठंडे स्थान पर रखें, ताकि वे अच्छे से मसालों से मिल जाएं। फिर इन्हें सींक पर लगाकर सेंक लें या तवे पर सेंक लें।

ध्यान लगाने से जुड़े इन भ्रमों को सच मानने की न करें गलती, जानें सही जानकारी

ध्यान एक प्राचीन तरीका है, जो मानसिक शांति और आत्म-जागरूकता को बढ़ावा देता है। इसको लेकर कई भ्रम और गलत धारणाएं प्रचलित हैं, जो लोगों को इसके अभ्यास से दूर रखती हैं या गलत दिशा में ले जाती हैं। इस लेख में हम ध्यान से जुड़े 5 प्रमुख भ्रमों को जानेंगे और उनकी सच्चाई को समझेंगे, ताकि आप सही जानकारी के साथ ध्यान का अभ्यास कर सकें और इसके लाभ उठा सकें।

भ्रम- केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है ध्यान

यह सबसे आम गलतफहमियों में से एक है कि ध्यान करना केवल धार्मिक लोगों के लिए होता है। सच्चाई यह है कि ध्यान एक वैज्ञानिक तरीका है, जो किसी भी व्यक्ति की जीवनशैली में शामिल किया जा सकता है। चाहे आप धार्मिक हों या नहीं, आप ध्यान लगा सकते हैं। यह मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्म-जागरूकता बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका है। ध्यान का अभ्यास किसी भी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग कर सकते हैं।

भ्रम- ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की होती है जरूरत

कई लोग मानते हैं कि ध्यान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की जरूरत होती है, जबकि ऐसा नहीं है। आप खुद ही सरल तरीकों से ध्यान करना सीख सकते हैं। इंटरनेट पर कई वीडियो और लेख उपलब्ध हैं, जो आपको घर बैठे ही सही तरीके से ध्यान करने की जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा आप किताबें पढ़कर भी ध्यान की तकनीकों को समझ सकते हैं और उन्हें अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं।

भ्रम- ध्यान करना होता है मुश्किल

ध्यान से जुड़ा एक और सामान्य भ्रम यह है कि इसे करना बहुत मुश्किल होता है। सच्चाई यह है कि शुरूआत में थोड़ी परेशानी हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से इसमें महारत हासिल की जा सकती है। बस आपको धैर्य रखना होगा और धीरे-धीरे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। ध्यान का अभ्यास जितना ज्यादा करेंगे, उतनी ही आसानी से आप इसे कर पाएंगे और इसके फायदों का आनंद ले सकेंगे।

भ्रम- ध्यान करने से आती है नींद

यह भी एक गलत धारणा है कि ध्यान करने से नींद आती है। वास्तव में ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपके मन को शांत करती है और आपको अधिक सतर्क बनाती है। सही समय पर और सही तरीके से किया गया ध्यान आपको बेहतर नींद देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसे करने से तुरंत नींद आ जाएगी। ध्यान करने से आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं।

भ्रम- ध्यान करने से दिमाग हो जाता है खाली

ध्यान से जुड़ा एक भ्रम यह भी है कि ध्यान करने पर दिमाग खाली हो जाता है। वास्तव में ध्यान का मतलब है अपने विचारों को नियंत्रित करना, न कि उन्हें पूरी तरह से खत्म करना। इससे आप अधिक स्पष्टता और फोकस प्राप्त करते हैं। इन सभी भ्रमों को समझकर हम देख सकते हैं कि कैसे ये हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालते हैं और हमें सही जानकारी प्राप्त करने से रोकते हैं।

इजरायल–ईरान युद्ध के बीच सोना–चांदी की कीमतों में लगी आग, इतने रुपए बढ़े दाम

मुंबई, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त सैन्य अभियान के कारण सुरक्षित निवेश की मांग मजबूत हो गई है, जिसके चलते सोमवार को कीमती धातुओं में बड़ी उछाल देखने को मिली। इस दौरान, सोने-चांदी की कीमतों में 3 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एमसीएक्स पर अप्रैल वायदा सोना दिन के कारोबार में 3 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 1,67,915 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं मार्च वायदा चांदी भी 3 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 2,85,978 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जो दिन का उच्चतम स्तर रहा।

हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह 10.46 बजे के करीब) एमसीएक्स पर 2 अप्रैल एक्सपायरी वाला गोल्ड 4,612 रुपए यानी 2.85 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,66,716 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था, जबकि 5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी 2.66 प्रतिशत यानी 7,311 रुपए की तेजी के साथ 2,82,309 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

तेहरान पर इजरायल द्वारा कमान केंद्रों और हवाई सुरक्षा को निशाना बनाकर किए गए हमलों के जवाब में इजरायली क्षेत्र और खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी मिसाइल हमले किए गए, जिससे अनिश्चितता और बढ़ गई।

रविवार को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव ज्यादा बढ़ गया। व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका से बाजार जोखिम से बचाव की मुद्रा में आ गए और होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की चिंता बढ़ी, जिससे सुरक्षित निवेश की मांग में तेज उछाल आया।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, 'अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच सोने ने पिछले सप्ताह की तेजी को आगे बढ़ाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर बनी अनिश्चितता ने भी वैश्विक आर्थिक जोखिम बढ़ाया है।'

डॉलर इंडेक्स 0.24 प्रतिशत बढ़कर 97.85 पर पहुंच गया, जिससे विदेशी मुद्राओं में खरीद करने वाले निवेशकों के लिए डॉलर आधारित सोना महंगा हो गया और पीली धातु की तेजी पर कुछ रोक लगी। कच्चे तेल की कीमतों में भी 7 प्रतिशत से अधिक की उछाल आई, क्योंकि बाजार को आशंका है कि अमेरिका-ईरान युद्ध से क्षेत्रीय आपूर्ति में बड़ी बाधा आ सकती है।

निवेशक अब प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से जारी होने वाले महत्वपूर्ण विनिर्माण पीएमआई आंकड़ों पर नजर रख रहे हैं, जबकि इस सप्ताह बाजार की दिशा अमेरिकी श्रम बाजार के आंकड़ों पर निर्भर करेगी। हाल की तेजी वर्ष 2025 में सोने में 64 प्रतिशत की वृद्धि के बाद आई है। यह उछाल केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीद, विनिमय आधारित निधियों में भारी निवेश और अमेरिका में मौद्रिक नीति में नरमी की उम्मीद से प्रेरित रहा है। जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि वर्ष 2026 के अंत तक सोना 6,300 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है, जबकि बैंक ऑफ अमेरिका ने कीमत 6,000 डॉलर प्रति औंस तक जाने की संभावना जताई है।

जावा येज्दी ने लॉन्च की नई रोडस्टर रेड वुल्फ मोटरसाइकल, जानें इसकी कीमत और फीचर्स

जावा येज्दी ने भारत में अपनी रोडस्टर मोटरसाइकल का स्पेशल एडिशन लॉन्च कर दिया है। इसको रोडस्टर रेड वुल्फ (Roadster Red Wolf) नाम दिया गया है। यह बाइक अपने पुराने रेट्रो क्लासिक लुक और आधुनिक फीचर्स के कारण काफी चर्चा में है। यह नई बाइक स्टैंडर्ड रोडस्टर पर आधारित है। हालांकि, इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं। रोडस्टर रेड वुल्फ की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2,09,950 रुपये रखी गई है। आइए आपको इसकी खूबियों के बारे में विस्तार से बताते हैं।

शानदार लुक और डिजाइन

रोडस्टर रेड वुल्फ स्पेशल एडिशन को इसके खास रंगों के कारण पहचाना जा सकता है। जैसा कि नाम से पता चलता है, इसमें गहरे लाल रंग का इस्तेमाल किया गया है, जिसके साथ चमकदार क्रोम फिनिश दी गई है। यह देखने में काफी प्रीमियम लगता है।

इसके इंजन, साइलेंसर और हैंडल बार पर चमकदार क्रोम फिनिश दी गई है, जो इसे पुरानी क्लासिक बाइक्स जैसा लुक देती है। इसमें भूरे (ब्राउन) रंग की प्रीमियम सीट दी गई है। साथ ही इसकी सीट को आप अपनी जरूरत के हिसाब से सिंगल या डबल (दो लोगों के लिए) सेट कर सकते हैं। इसमें अपने सेगमेंट का सबसे चौड़ा पिछला टायर दिया गया है, जो सड़क पर मजबूत पकड़ बनाए रखता है।

इंजन और परफॉरमेंस

इंजन की बात करें तो मोटरसाइकल में 350cc का अल्फा2 लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया गया है। साथ ही बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जिसमें असिस्ट और स्लिपर क्लच मिलता है। इससे क्लच दबाना और गियर बदलना बहुत आसान हो जाता है। इसमें दो साइलेंसर (ट्विन-बैरल एग्जॉस्ट) दिए गए हैं, जो भारी और गूंजने वाली आवाज पैदा करते हैं। इसकी दमदार आवाज राइडिंग के मजे को दोगुना कर देती है।

लंबी यात्रा के लिए आरामदायक

इसे खास तौर पर लंबे सफर (टूरिंग) को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसका फ्यूल टैंक 12.5 लीटर का है, जो एक बार फुल होने पर करीब 350 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर सकता है। लंबे सफर को ध्यान में रखते हुए इसके पायदान (फुटपेग्स) को थोड़ा आगे की तरफ रखा गया है, जिससे बैठने का पोश्चर बहुत आरामदायक रहता है। इससे राइडर बिना थके लंबे समय तक बाइक चला सकता है। इसकी सीट की ऊंचाई 795 mm है, जो कम हाइट वाले लोगों के लिए भी बढ़िया है।

सुरक्षा और वारंटी

मोटरसाइकल इसमें डुअल-चैनल ABS (एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) दिया गया है, जो अचानक ब्रेक लगाने पर बाइक को फिसलने से बचाता है। सेफ्टी के लिए बाइक में आगे और पीछे दोनों तरफ डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। साथ ही कंपनी इस बाइक पर 4 साल या 50,000 किलोमीटर की वारंटी दे रही है। साथ ही 5 साल तक का मेंटेनेंस प्लान और रोड-साइड असिस्टेंस (रास्ते में खराब होने पर मदद) भी उपलब्ध है।

इजरायल–ईरान युद्ध के चलते शेयर मार्किट में तबाही, निवेशकों के डूबे 7 लाख करोड़ रुपए

इजरायल-ईरान युद्ध के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,048.34 अंक या 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,238.85 और निफ्टी 312.95 अंक या 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,865.70 पर था।

बड़ी गिरावट के चलते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप 7 लाख करोड़ रुपए कम होकर 456 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि शुक्रवार को 463 लाख करोड़ रुपए था।

सूचकांकों में निफ्टी इन्फ्रा (2.23 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (2.20 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (2.15 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (2.15 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू (1.84 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (1.82 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (1.61 प्रतिशत) और निफ्टी एनर्जी (1.61 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.49 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (0.24 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (0.02 प्रतिशत) ही बढ़ने वाले इंडेक्स थे। सेंसेक्स पैक में बीईएल, सन फार्मा और आईटीसी गेनर्स थे। इंडिगो, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, ट्रेंट, इटरनल, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ स्मॉलकैप और मिडकैप में भी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 935.10 अंक या 1.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,180.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 296.50 अंक या 1.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,632 .40 पर था। एलकेपी सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक दे ने कहा, रमध्यपूर्व में तनावपूर्ण हालातों के चलते निफ्टी की कमजोर शुरुआत हुई थी। दैनिक टाइमफ्रेम पर सूचकांक बढ़ती ट्रेंडलाइन से नीचे फिसल गया है, जो बाजार में बढ़ती कमजोरी का संकेत है। आरएसआई अभी भी मंदी के क्रॉसओवर में है, जो कमजोर गति की पुष्टि करता है।

उन्होंने आगे कहा कि निफ्टी के लिए सपोर्ट 24,600 है। अगर यह इससे नीचे फिसलता है तो बाजार में गिरावट बढ़ सकती है। बाजार के लिए रुकावट का स्तर 25,000 है।

युद्ध में ईरान ने बदली चाल, अमेरिका-इजराइल के आगे पस्त पड़े मिसाइल या कुछ और वजह?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग जारी है। जंग में ईरान एक साथ कई देशों से लड़ रहा है। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इजराइल के हमले के बाद शुरुआत में ईरान ने खाड़ी देशों पर ताबड़तोड़ पलटवार किए थे। हालांकि, अब ईरान ने खाड़ी देशों पर हमले कम किए हैं। माना जा रहा है कि ईरान ने अपनी चाल बदली है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका-इजराइल के आगे ईरान की मिसाइल अब पस्त पड़ गई हैं क्योंकि उसके बहुत सारे लॉन्चर ध्वस्त कर दिए गए हैं। जबकि कुछ एक्सपर्ट का ये कहना है कि ईरान खाड़ी के मुस्लिम देशों से अपने रिश्ते ठीक करना चाहता है, साथ ही अगर जंग लंबी खिंची तो उसके लिए हथियारों का रिजर्व रखना चाहता है। हथियारों से वार-पलटवार के अलावा ईरान ने

नैरेटिव की लड़ाई भी तेज कर दी है। ईरान के नेताओं की तरफ से जहां गल्फ देशों से बार-बार कहा जा रहा है कि हम आपके खिलाफ नहीं हैं, वहीं अमेरिका की जनता से भी ईरान कह रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप आपको दूसरे के युद्ध में झोंक रहे हैं।

ईरान ने जंग की शुरुआत में इजराइल समेत खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और दूतावासों पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं थीं जिसने लोगों के होश उड़ा दिए थे। खाड़ी देशों की अपनी व्यवस्था भी इससे चरमरा गई। सेफ जोन कहे जाने वाले दुबई में सबकुछ पलट गया। इसके बाद खाड़ी देश आगे आए और ईरान के जवाबी हमलों को रोकना शुरु कर दिया। साथ ही ईरान को चेताया कि वो अपनी जमीन अमेरिका को उपयोग नहीं करने दे रहे हैं। इसीलिए ईरान उन पर बेवजह हमला नहीं करे। खामेनेई की मौत से बौखलाए ईरान ने शुरुआत में खाड़ी देशों की बात नहीं मानी और हमले जारी रखे। बाद में जब इन देशों ने खुद ही बचाव शुरू किया तो ईरान को बात समझ में आई। ईरान को लगा कि वो अपनी मिसाइलों और ड्रोन को वहां बर्बाद कर रहा है। अब ईरान इन देशों से अपने रिश्ते सुधारने में जुट गया है।

कूटनीति के जरिए युद्ध से बचने की कोशिश की थी- पेजेश्कियान

इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने पड़ोसी देशों से कहा है कि वह युद्ध से बचना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसके लिए मजबूर कर दिया गया। मसूद पेजेश्कियान ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, हमारे मित्र और पड़ोसी देशों के सम्मानित नेताओं, हमने आपके साथ मिलकर और कूटनीति के जरिए युद्ध से बचने की कोशिश की थी, लेकिन अमेरिकी-इजराइल के सैन्य हमले ने हमें मजबूर कर दिया है कि हम अपनी रक्षा करें। उन्होंने पड़ोसी देशों से कहा, हम आपके अधिकार का सम्मान करते हैं और मानते हैं कि इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता इसके देशों की सामूहिक कोशिशों से ही हासिल हो सकती है।

ट्रंप और उनके विदेश मंत्री पर आरोप

गौरतलब है कि ईरान की संस्था फाउंडेशन ऑफ़ मार्टियर्स एंड वेटरन्स ने बताया है कि ईरान में जंग शुरू होने के बाद से अब तक 1045 शवों को दफनाया गया है। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि जंग को लेकर ट्रंप और यूएस के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान अलग-अलग थे। ट्रंप ने कहा था कि उन्हें लगा ईरान पहले हमला कर देगा। इसी वजह से उन्होंने ईरान पर हमले शुरू किए। जबकि मार्को का कहना है कि ईरान द्वारा इजराइल पर हमले की आशंका थी। इसी वजह से उन्होंने इजराइल का साथ देते हुए ईरान पर हमला बोला था।

क्या बैलिस्टिक मिसाइल की संख्या घटी?

एक्सपर्ट के मुताबिक, ईरान के लगातार हमले के चलते बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की संख्या कम हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान के पास अब बस कुछ दिनों की ही फायरपावर बची है। लेकिन उन्होंने कहा कि हो सकता हो ईरान ने जानबूझकर ऐसा कर रहा हो ताकि जंग को लंबे समय तक लड़ा जा सके। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकारी ब्रैड कूपर का कहना है कि सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलों लॉन्चर और ड्रोन को टारगेट किए जाने के बाद मिडिल ईस्ट में यूएस और उसके पार्टनर्स को टारगेट करने की ईरान की क्षमता कम हो रही है। सेंटर कॉम का कहना है कि ईरान में मिसाइल लॉन्च 86 प्रतिशत कम हुए हैं। उनका दावा है कि चार दिनों में ईरान के मिसाइल लॉन्च 86 प्रतिशत और उसके ड्रोन लॉन्च 76 प्रतिशत कम हो गए हैं, सेंटर कॉम ने कहा कि यूएस सेना ने 20 से ज्यादा ईरानी जहाजों को डुबो दिया है।

सस्ते ड्रोन से हमले जारी

विशेषज्ञों का कहना है कि लॉन्च साइट्स और उन्हें बनाने वाली जगहों पर अमेरिकी और इजराइली हमलों की वजह से ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की संख्या कम हो रही है। एक्सपर्ट का कहना है कि ईरान ड्रोन जैसे सस्ते सिस्टम से हमला जारी रखने की कोशिश कर रहा है। जिससे बैलिस्टिक मिसाइलों का कम और सही जगह पर उपयोग किया जा सके। बैलिस्टिक मिसाइल ईरान के हथियारों के जखीरे में सबसे खतरनाक हथियार हैं। हालांकि, इजराइल में ईरान अब भी हमले कर रहा है लेकिन खाड़ी में उसके हमले काफी कम हो गए हैं।

ईरान से जंग के बीच अमेरिका को 1000 किलो सोना देगा वेनेजुएला

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान जंग के बीच अमेरिका को वेनेजुएला से बड़ी खुशखबरी मिली है। वेनेजुएला से एक डील के तहत अब अमेरिका को 1000 किलो सोना मिलेगा। सोने के बदले अमेरका पैसे के रूप में वेनेजुएला को डॉलर देगा। इन पैसों का इस्तेमाल वेनेजुएला के विकास कार्यों पर खर्च करने की बात कही जा रही है। इस डील को राष्ट्रपति ट्रंप को साधने के रूप में भी देखा जा रहा है। अमेरिकी आउटलेट एक्सियोस के मुताबिक वेनेजुएला की सरकारी कंपनी मिनरवेन को कमोडिटी ट्रेडर ट्रैफिगुरा को 650 से 1000 किलो सोना उपलब्ध कराने होंगे। इसके बदले वेनेजुएला को डॉलर में पैसे मिलेंगे। वर्तमान में अमेरिकी बाजार में एक किलो शुद्ध सोने की कीमत लगभग 166,000 डॉलर है।

इस डील में अमेरिका के गृह

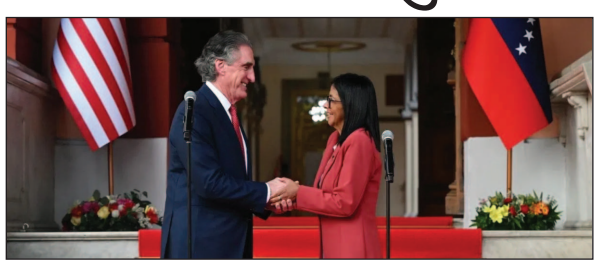

सचिव गृह सचिव डग बर्गम ने अहम भूमिका निभाई है। डील के लिए बर्गम कई दिनों से काराकास में तैनात किए गए थे।

वेनेजुएला के पास सोने का भंडार है

अलजजीरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक वेनेजुएला की जमीन के नीचे 600 टन से ज्यादा सोना होने का अनुमान है। 2025 तक वेनेजुएला की सरकार ने 47 टन सोना दुनिया को बेच दिया था। अब वहां सरकार बदल गई है, जिसके कारण अमेरिका की नजर काराकास के सोने पर है। अमेरिका सोने का जमा करने में लगा है। क्योंकि हाल के दिनों में इसकी कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। वेनेजुएला की सरकार के मुताबिक उसके सरकारी बैंकों के पास अभी भी 47 टन सोने का भंडार जमा है। वेनेजुएला के तेल के भंडार में भी दुनिया में सबसे आगे है। उसके पास दुनिया का 17 प्रतिशत कच्चा तेल है।

अमेरिका को सोना क्यों दे रहा वेनेजुएला?

1- एक्सियोस ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया- वेनेजुएला में पहले बहुत भ्रष्टाचार था। पहले भी वेनेजुएला सोना बेचता रहा है, लेकिन सरकार को इससे कम पैसे मिले। बिचौलिए ही पैसे खा जाते थे। अब वेनेजुएला की सरकार सीधे अमेरिकी बाजारों में पूरी पारदर्शी तरीके से अपना माल बेच रही है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। इस डील से वेनेजुएला को फायदा होने की बात कही जा रही है।

2- निकोलस मादुरो के अपहरण के बाद डेल्सी रोड्रिगेज ने वेनेजुएला की कमान संभाली, लेकिन ट्रंप प्रशासन उनसे नाराज है। कहा जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन को खुश करने के लिए ही वेनेजुएला की सरकार ने सोने को लेकर डील की घोषणा की है।

ईरान ने बनाया था ट्रंप–बाइडेन की हत्या का प्लान... पाकिस्तान बिजनेसमैन का बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच जंग जारी है। अभी इस जंग के खत्म होने का कोई आसार नहीं दिख रहा है। इस बीच जंग को लेकर कई तरह के दावे भी किए जा रहे हैं। पाकिस्तानी बिजनेसमैन आसिफ मर्चेंट को ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने ट्रंप, बाइडेन और निक्की हेली की हत्या की साजिश में शामिल होने के लिए मजबूर किया था।

कोर्ट में मर्चेंट ने दावा किया कि उसके परिवार को खतरा था, इसलिए उसके पास 'कोई और रास्ता नहीं' था। हालांकि, उसने जिन हिटमैन को काम पर रखा, वे FBI के अंडरकवर एजेंट निकले, जिससे यह पूरी साजिश नाकाम हो गई।

पाकिस्तानी कारोबारी ने क्या किया दावा?

पाकिस्तान के रहने वाले एक कारोबारी आसिफ मर्चेंट पर अमेरिका में इस समय आतंकी साजिश का मुकदमा चल रहा है। उस पर आरोप है कि उसे ईरान की सेना की विशेष इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) ने अमेरिका के बड़े नेताओं की हत्या की साजिश के लिए भर्ती किया था। आसिफ ने ये बात कबूल की है कि उसने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडेन, निक्की हेली की हत्या की साजिश रची थी। कोर्ट में आसिफ मर्चेंट ने कहा कि से यह काम ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक व्यक्ति ने दिया था। गर वह यह काम नहीं करता तो ईरान में उसके परिवार को नुकसान पहुंचा जा सकता था। इसलिए उसने मजबूरी में यह साजिश मान ली।

कैसे हुआ पूरी साजिश का खुलासा

आसिफ मर्चेंट ने कोर्ट रूम में बताया कि उसने इस पूरे प्लान को अंजाम देने के लिए दो किराए के शूटर हायर किए थे। उनसे इस काम को लेकर पैसे देने की बात भी हुई थी। वह कुछ ही समय बाद उन्हें पैसे देने वाला था। हालांकि जिसे वह हिटमैन समझ रहा था वह असल में एफबीआई के अंडरकवर एजेंट थे। यही वजह है कि उसकी पूरी प्लानिंग फैल हो गई, इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। मामला अभी अमेरिका की अदालत में चल रहा है। मर्चेंट खुद को मजबूर बताकर राहत मांग रहा है, जबकि सरकारी वकील कह रहे हैं कि उसने खुद यह योजना बनाई है।

दिल्ली बनेगी वैश्विक रणनीति का मंच, जुटेंगे दुनिया के टॉप सैन्य और नीति दिग्गज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की राजधानी दिल्ली में मार्च 2026 के दूसरे सप्ताह में एक अहम ग्लोबल स्ट्रेटेजिक कॉन्क्लेव आयोजित होने जा रहा है, जिसमें देश और दुनिया के बड़े नीति निर्माता, सैन्य अधिकारी, टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट और उद्योग जगत के नेता शामिल होंगे। सिनर्जिया कॉन्क्लेव 2026, 11 से 13 मार्च के बीच आयोजित होगा। इसका फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, टेक्नोलॉजी और वैश्विक रणनीति जैसे अहम मुद्दों पर रहेगा। आयोजन का उद्देश्य सिर्फ चर्चा तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण और भविष्य की रणनीति को दिशा देना है।

यह कार्यक्रम ऐसे समय में आयोजित किया जा रहा है जब दुनिया तेजी से बदल रही है। टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है, जबकि नीतियां और नियम उससे पीछे रह जाते हैं। ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई चेन और साइबर खतरों जैसे मुद्दे अब पहले से ज्यादा जटिल हो चुके हैं।

दुनिया के कई हिस्सों में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है और देशों के बीच आर्थिक व तकनीकी प्रतिस्पर्धा भी तेज हो गई है। ऐसे में यह सम्मेलन नीति निर्माताओं को एक साझा मंच देता है, जहां वे इन चुनौतियों को समझकर आगे की रणनीति तय कर सकें।

टेक्नोलॉजी की रफ्तार बहुत तेज

सिनर्जिया फाउंडेशन के फाउंडर और प्रेसिडेंट टोबी सिमोन ने कॉन्क्लेव को लेकर बताया, हम ऐसे दौर में प्रवेश कर रहे हैं जहां टेक्नोलॉजी और बदलाव की रफ्तार बहुत तेज हो गई है। एआई, एनर्जी ट्रांजिशन और जियो-इकोनॉमिक बदलाव, संस्थानों की क्षमता से भी तेज आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, रणनीतिक बढ़त केवल भविष्य की भविष्यवाणी से नहीं मिलेगी, बल्कि मजबूत और भरोसेमंद सिस्टम तैयार करने से मिलेगी। सिनर्जिया कॉन्क्लेव का मकसद चर्चा से आगे बढ़कर एक्शन पर फोकस करना है।

इस कॉन्क्लेव का आयोजन सिनर्जिया फाउंडेशन कर रही है, जो बेंगलुरु स्थित एक स्ट्रेटेजिक थिंक टैंक है। यह संस्था सुरक्षा, टेक्नोलॉजी और वैश्विक नीति से जुड़े मुद्दों पर काम करती है और सरकार, उद्योग और विशेषज्ञों के साथ मिलकर रणनीतिक समाधान तैयार करती है।

सेना के सीनियर अधिकारी होंगे शामिल

इस बार इस कॉन्क्लेव में देश के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह भी हिस्सा लेंगे। उनके साथ भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी मौजूद होंगे। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन भी इसमें भाग ले रहे हैं।

इसके अलावा नीति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ विशेषज्ञ मोंटेक सिंह आहलूवालिया भी इस मंच का हिस्सा हैं, जो पहले योजना आयोग के उपाध्यक्ष रह चुके है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अहम नामों में आलोक जोशी शामिल हैं, जो नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन और रॉ के पूर्व प्रमुख भी रह चुके हैं।

कई देशों के दिग्गजों की होगी मौजूदगी

कार्यक्रम कई देशों के बड़े नाम भी शामिल हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी मेजर जनरल क्रिस स्मिथ, अमेरिका के पूर्व नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर लेफ्टिनेंट जनरल माइकल फ्लिन, श्रीलंका के पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल शवेंद्र सिल्वा, इजराइल की स्पेशल फोर्स यूनिट सायेरेट मतकल के पूर्व कमांडर और केनेसट के सदस्य भी इस मंच का हिस्सा होंगे।

वहीं, इस कॉन्क्लेव के लिए नई दिल्ली को चुना जाना भी एक रणनीतिक फैसला माना जा रहा है। राजधानी में ही देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, कूटनीति और प्रशासन से जुड़े बड़े फैसले लिए जाते हैं। यहां सम्मेलन आयोजित करने से अलग-अलग क्षेत्रों के बीच बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिलेगी और राष्ट्रीय स्तर पर फैसलों को तेजी से लागू करने की दिशा में काम हो सकेगा।

सिनर्जिया फाउंडेशन ने क्या कहा?

सिनर्जिया फाउंडेशन के चीफ स्ट्रेटेजिक ऑफिसर, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल जीए वी रेड्डी ने बताया कि यह सम्मेलन तीन दिनों तक चलेगा और हर दिन का अलग फोकस तय किया गया है। पहले दिन वैश्विक हालात को समझने और एक साझा तस्वीर बनाने पर जोर रहेगा। दूसरे दिन अनिश्चितताओं को अवसर में बदलने पर चर्चा होगी, जबकि तीसरे दिन ठोस रणनीति और ढांचा तैयार करने पर ध्यान दिया जाएगा। इस तरह यह कार्यक्रम सिर्फ विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ठोस नीतिगत दिशा देने की कोशिश करेगा।

सिनर्जिया फाउंडेशन के स्ट्रेटेजिक ऑफिसर, रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल पी एस मिन्हास के मुताबिक, दिल्ली में इस कॉन्क्लेव का आयोजन पहली बार किया जा रहा है, क्योंकि यहां राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक नीति और कूटनीति से जुड़े फैसले एक साथ जुड़ते हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली वह जगह है जहां नीतियां बनती हैं और उन्हें लागू किया जाता है। ऐसे में यहां इस तरह का कॉन्क्लेव होना इसे और प्रभावी बनाता है।

कई विषयों पर होगी चर्चा

कॉन्क्लेव में कई बड़े रणनीतिक विषयों पर चर्चा होगी। इसमें इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव, साइबर सुरक्षा, ऊर्जा व्यवस्था और आर्थिक स्थिरता जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा भविष्य की टेक्नोलॉजी, सप्लाई चेन और राष्ट्रीय शक्ति के नए स्वरूप पर भी बात की जाएगी। इन विषयों को आपस में जोड़कर देखा जाएगा, ताकि एक समग्र रणनीति तैयार की जा सके।

इस कॉन्क्लेव की एक खास बात यह है कि यहां केवल बातचीत नहीं होगी, बल्कि समाधान पर भी जोर रहेगा। अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ मिलकर ऐसे मॉडल और रास्ते तैयार करेंगे, जिन्हें आगे लागू किया जा सके। इसमें क्रॉस-डोमेन स्ट्रेस टेस्टिंग, अर्ली वार्निंग सिस्टम, और पॉलिसी फ्रेमवर्क जैसे मुद्दों पर भी काम होगा, ताकि भविष्य के संकटों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कई अहम रिपोर्ट्स भी जारी की जाएंगी। इनमें ग्लोबल फ्यूचर्स 2035, इंडियाज सिक्योरिटी फ्रॉम सीबेड टू स्पेस, क्वांटम अनलॉक्ड, कोविड कम्पेंडियम और 6जी स्ट्रेटेजिक फ्रंटियर जैसी रिपोर्ट्स शामिल हैं। इन रिपोर्ट्स में भविष्य की टेक्नोलॉजी, राष्ट्रीय सुरक्षा, और वैश्विक रणनीति से जुड़े मुद्दों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है, जो आने वाले समय में नीति निर्माण में मदद कर सकते हैं।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच प्रियंका चोपड़ा ने शेयर किया बड़ा मैसेज, लिखा– 'अच्छाई बुराई पर जीत हासिल करेगी'

अमेरिका–ईरान संघर्ष जारी है और हर पल नए अपडेट सामने आ रहे हैं। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा ने भी इस संघर्ष पर एक पोस्ट शेयर की है।

इजरायली हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत के बाद मिडिल ईस्ट में संघर्ष तेजी से फैल गया है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि इसे हाल के वर्षों की सबसे तीव्र सैन्य झड़पों में गिना जा रहा है। ऐसे में सब यही दुआ कर रहे हैं कि जल्द से जल्द इस संघर्ष पर विराम लगे। ऐसे में एक्टर प्रियंका चोपड़ा ने भी एक स्टोरी शेयर कर बड़ा मैसेज देने की कोशिश की है।

बुराई पर अच्छाई की जीत होगी

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने 'होलिका दहन' के मौके पर एक खास मैसेज शेयर किया है। 3 मार्च को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'दुनिया में बहुत कुछ हो रहा है, यह कठिन और भारी है, लेकिन प्रकाश हमें रास्ता दिखाता है। यहां बुराई पर अच्छाई की जीत के लिए...होलिका दहन।' उनका यह संदेश उन चुनौतियों के बीच आया है, जो हाल ही में यूएस-ईरान संघर्ष और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण दुनिया भर में महसूस किए जा रहे हैं।

इस संघर्ष ने कई देशों में हवाई यात्रा पर भी असर डाला है, खासकर दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर उड़ानों के रद्द होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई भारतीय और अन्य यात्रियों के लिए यह स्थिति चिंता का कारण बनी हुई है और कुछ कलाकार भी वहां फंसे हुए हैं।

वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका फिलहाल फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आ रही हैं, जो 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

साथ ही प्रियंका मच अवेटेड फिल्म वाराणसी का भी हिस्सा हैं, जो अप्रेल 2027 में रिलीज होगी और इसमें उनके साथ महेश बाबू लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

दृश्यम 3 की शूटिंग के दौरान शिवालिका ओबेरॉय ने प्रेग्नेंसी का एक्सपीरिएंस किया शेयर, अभिषेक पाठक के साथ को–प्रोडक्शन कहा

शिवालिका ओबेरॉय ने अपनी प्रेग्नेंसी को अभिषेक पाठक के साथ को-प्रोडक्शन बताया है। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उनके फिल्ममेकर पति अजय देवगन स्टारर दृश्यम के तीसरे पार्ट में बिज़ी हैं, जबकि वह मदरहुड की तैयारी पर फोकस कर रही हैं।

शिवालिका ने इंस्टाग्राम पर अपने पति अभिषेक के साथ हाल ही में हुए मैटरनिटी शूट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसे जॉइंट वेंचर बताते हुए एक्ट्रेस ने मज़ाक में कहा कि दोनों के बीच डील हो गई थी।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, इसे को-प्रोडक्शन कहो। वह थ्रिलर बनाने में बिज़ी हैं। मैं एक इंसान बनाने में बिज़ी हूँ। डील हो गई थी।

क्योंकि अभिषेक प्रेग्नेंसी के दौरान दृश्यम 3 की शूटिंग कर रहे हैं, शिवालिका ने पक्का किया कि वे इस सफ़र को जितनी चाहें उतनी मैटरनिटी फ़ोटो के साथ डॉक्यूमेंट करें।

एक्ट्रेस ने कहा, वह प्रेग्नेंसी के दौरान दृश्यम 3 की शूटिंग करते हैं, हम जितनी चाहें उतनी मातृत्व फ़ोटो शूट करते हैं। दोनों प्रोडक्शन सक्सेसफुली चल रहे हैं!

शिवालिका और अभिषेक पहली बार 2020 में विद्युत जामवाल की फिल्म खुदा हाफिज में काम करते हुए मिले थे। यह कहानी समीर नाम के एक लड़के की है, जो अपनी पत्नी नरगिस के साथ खुशियों भरी ज़िंदगी जी रहा है। लेकिन, जब नरगिस को ह्यूमन ट्रैफिकर्स किडनैप कर लेते हैं, तो उसे उसे बचाना पड़ता है।

दोनों ने जुलाई 2022 में एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई और आखिरकार फरवरी 2023 में शादी कर ली।

शिवालिका ने 2019 में रिलीज़ हुई ये साली आशिकी से एक्टिंग में डेब्यू किया और बाद में 2020 में खुदा हाफिज़ से मशहूर हुईं। उन्हें आखिरी बार 2022 में खुदा हाफिज़: चैप्टर 2 – अग्नि परीक्षा में देखा गया था, जहाँ उन्होंने और विद्युत दोनों ने ओरिजिनल ड्रामा से अपने किरदार नरगिस और समीर को दोहराया था।

दूसरी ओर, अभिषेक ने दृश्यम 2 डायरेक्ट की, जिसमें अजय देवगन, श्रिया सरन, तब्बू और अक्षय खन्ना थे। उन्होंने उड़ता चमन भी डायरेक्ट की है। अभिषेक ने प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2, सेक्शन 375 और खुदा हाफिज़. जैसी फ़िल्में भी प्रोड्यूस की हैं।

दृश्यम 3 की बात करें तो, आने वाली फिल्म के मेकर्स ने दिसंबर में गोवा शेड्यूल शुरू कर दिया था। एक्टर जयदीप अहलावत भी इस फ्रेंचाइज़ी में शामिल हो गए हैं।

दृश्यम एक ऐसे परिवार की दिलचस्प कहानी है जो एक चौंकाने वाले गायब होने के साये में फंसा हुआ है, एक पुलिसवाली का बेटा लापता हो जाता है, और वह विजय के परिवार को खत्म करने की धमकी देती है। अपने प्रियजनों की रक्षा करने का पक्का इरादा करके, विजय उन्हें सुरक्षित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ता।

सात साल बाद, सीक्वल में, सलगांवकर परिवार ने अपने अतीत की दर्दनाक घटनाओं से आगे बढने की कोशिश की है। लेकिन जब ज़िंदगी अपनी लय में आने लगती है, तो अचानक हालात पैदा हो जाते हैं, जो लंबे समय से दबे हुए काले सच को सामने लाने का खतरा पैदा करते हैं।

यह फिल्म इसी नाम की मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है।

टॉक्सिक से जारी हुआ पहला गाना तबाही, यश के साथ यूं दिखीं कियारा आडवाणी

अभिनेता यश की आगामी फिल्म टॉक्सिक का जबर्दस्त क्रेज देखा जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर यह इसी महीने रिलीज होने वाली है। इससे पहले होली के अवसर पर मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना तबाही रिलीज कर दिया है।

फिल्म टॉक्सिक का जब से एलान हुआ है, तभी से इसका क्रेज भी जबर्दस्त है। इसकी रिलीज को लेकर फैंस के बीच उत्साह है। आज मेकर्स ने फिल्म का पहला सिंगल रिलीज किया है। मगर, तबाही गाने को सिर्फ ऑडियो ट्रैक के तौर पर रिलीज किया गया है। इसका कोई वीडियो नहीं है। इसे लेकर नेटिजन्स नाराज नजर आ रहे हैं।

पिछले महीने ही मेकर्स ने पहले सिंगल का पोस्टर रिलीज किया था। पोस्टर में यश और कियारा आडवाणी समुद्र के किनारे

एक-दूसरे के पास खड़े दिख रहे थे। विजुअल में पैशन और इंटेंसिटी का हिंट था, जिससे फैंस को फिल्म के टोन की एक झलक मिली। मगर, अब जब गाना रिलीज किया है, तो इसे सिर्फ बतौर ऑडियो लाया गया है। नेटिजन्स लिख रहे हैं, 02 मार्च को पहली अप्रैल वाली फीलिंग आ रही है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, वीडियो के लिए कृपया वोट करें।

इस गाने को देशभर के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे कई भाषाओं में लॉन्च किया गया है। कंपोजर विशाल मिश्रा ने इसका म्यूजिक बनाया है, जबकि हर भाषा के लिए लिरिक्स अलग-अलग लिखे गए हैं। राज शेखर ने हिंदी लिरिक्स लिखे हैं। वहीं, योगराज भट ने कन्नड़ भाषा में गाने के लिरिक्स लिखे। रामजोगय्या शास्त्री ने तेलुगु लिरिक्स लिखे। विग्नेश शिवन ने तमिल लिरिक्स लिखे हैं और रफीक अहमद ने मलयालम लिरिक्स लिखे।

बता दें कि टॉक्सिक के अब तक दो टीजर रिलीज हो चुके हैं। पहले टीजर में एक डार्क और वायलेंट दुनिया दिखाई गई थी। वहीं, दूसरे टीजर में यश ने बिना दाढ़ी वाले लुक में फैंस को सरप्राइज कर दिया। फिल्म का ट्रेलर 8 मार्च, 2026 को रिलीज होने की उम्मीद है। बता दें कि यह फिल्म 19 मार्च को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर यह रणवीर सिंह की धुरंधर 2 से टकराएगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com